हरिभूमि
रायपुर भूमि

राजधानी से लगे सरस्वती नगर स्टेशन और डब्ल्यूआरएस स्टेशन में यात्रियों के लिए पानी, पंखे और शौचालय की सुविधा नहीं

शहर का अनोखा रेलवे स्टेशन... न पानी न पंखा, खुले में करो लघुशंका

- अमृत भारत स्टेशन योजना में चमके रहे छग के 17 स्टेशन, बाकी छोटे स्टेशनों में असुविधा नहीं हो रही दूर
- यात्रियों ने कहा- इन स्टेशनों से होने वाली कमाई का एक हिस्सा सुविधाएं प्रदान करने में लगाए रेलवे

स्टेशनों से रेलवे को हो रही कमाई

डब्ल्यूआरएस और सरस्वती नगर रेलवे स्टेशन पर रोजाना हजारों यात्री ट्रेन में यात्रा करने पहुंचते हैं। यहां की लोकल ट्रेनें खासतौर पर छोटे कस्बों तक जाने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण साधन हैं और इन स्टेशनों से शेष पेज 11 पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी से जुड़े छोटे रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। अगर आप सरस्वती नगर या फिर डब्ल्यूआरएस स्टेशन से लोकल ट्रेन में यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यहां न तो पानी की सुविधा है, न पंखे और न ही शौचालय। यहां तक कि छोटे और व्यस्त स्टेशनों पर ये आवश्यक सुविधाएं नदारद हैं, जो यात्रियों के लिए गंभीर समस्या बन चुकी है। स्टेशन पर रेलवे यात्रियों को बैठने मात्र की सुविधा दी जा रही है। हरिभूमि ने रविवार को छोटे स्टेशनों का जायजा लिया। सरस्वती नगर स्टेशन पर यात्री खाली बोतल लिए बैठे मिले तो वहीं डब्ल्यूआरएस में भी यात्री समस्याओं शेष पेज 11 पर

व्यवस्था करेंगे बेहतर

स्टेशनों पर यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं की जांच की जाएगी और व्यवस्था में सुधार लाया जाएगा, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

- दयानंद, डीआरएम, रायपुर

डब्लूआरएस में पंखे और पानी की सुविधा नहीं

डब्ल्यूआरएस स्टेशन की हालत यात्रियों के लिए बेहद परेशान करने वाली है। यह स्टेशन डीआरएम ऑफिस से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां रेलवे अधिकारियों की भी नियमित आवाजाही रहती है, लेकिन फिर भी यहां असुविधा है। स्टेशन पर पीने के पानी की सुविधा का तो नामोनिशान तक नहीं है और यात्रियों को पानी की बोतल खाली हाथ में लिए खड़े रहना पड़ता है। आसपास कोई दुकान भी नहीं है, जहां से पानी खरीदा जा सके। इससे भी बड़ा संकट गर्मी में यात्रियों के लिए है, क्योंकि स्टेशन पर न तो पंखा लगा है और न ही शौचालय की व्यवस्था। स्टेशन के चारों ओर गंदगी और कचरा फैला हुआ था, स्टेशन की साफ-सफाई की स्थिति भी बेहद खराब थी। दिनभर 500 से अधिक यात्रियों की आवाजाही वाली इस जगह पर जब ट्रेन लेट होती है तो यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। घंटों बिना पानी और पंखे के इंतजार करना यात्रियों की मजबूरी है। ऐसे में रेलवे की ओर से बुनियादी सुविधाओं की सख्त जरूरत है, ताकि यात्रियों को कम से कम न्यूनतम राहत तो मिल सके।

खबर संक्षेप

माइंस संचालक पर चार करोड़ की ठगी का आरोप

रायपुर। तिल्दा-नेवरा थाने में इस्पात कंपनी के डायरेक्टर ने ओडिशा की एक माइंस कंपनी के संचालक के खिलाफ तीन करोड़ 90 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बजरंग पॉवर एंड इस्पात के डायरेक्टर प्रदीप तिवारी की शिकायत पर पुलिस ने ओडिशा के माइंस संचालक विराट चंद्र डागरा के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज की है। प्रदीप ने आरोप लगाया है कि माइंस संचालक को वर्ष 2023 में आयरन ओर आपूर्ति करने ठेका दिया गया था। माइंस संचालक पर अपने अकाउंट में रकम ट्रांसफर कराने के बाद भी माल आपूर्ति नहीं करने आरोप लगाया है।

ड्रंक एंड ड्राइव, 23 नशेड़ी दबोचे गए

रायपुर। अटलनगर पुलिस ने शनिवार देर रात अभियान चलाकर ड्रंक एंड ड्राइव मामले में 23 नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी गाड़ियां जब्त की हैं। पुलिस ने बेरिकेडिंग कर ब्रिथ एनॉलॉइजर से जांच कर नशेड़ी वाहन चालकों को पकड़ा है। नशे की हालत में वाहन चलाते पुलिस ने मुकेश कुमार, रंजन मिश्रा, श्याम अवस्थी, गौरव राघव, जगत राम, पराग तिवारी, अनीज कुमार, ब्रिशांक, दीपेश सोनी, धनंजय जायसवाल, पूनाराम, ललित, बब्बन मांझी, संजू, नवीन गेड़ाम, अभिषेक सिंह, अर्जुन बरई, देवेंद्र कुमार, आकाश सोनकर, नितेश मंदानी, अमितेश खत्री, स्वरित टंडन और मोती महिलांगे को पकड़ा है।

नशीली टेबलेट के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने एक युवक को दो हजार रुपए कीमत की ढाई सौ नशीली टेबलेट के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर पहाड़ी तालाब के पास प्रोफेसर कालोनी निवासी एकांश त्रिपाठी को नशीली टेबलेट के साथ गिरफ्तार किया है। एकांश लोगों को नशीली टेबलेट बेचने निकला था।

शराब बेचते धरा गया निगरानी बदमाश

रायपुर। खमतराई पुलिस ने एक निगरानी बदमाश को साढ़े नौ हजार रुपए कीमत की साढ़े 15 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गोंदवारा निवासी राकेश ठाकुर को शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राकेश को पुलिस ने रिंगरोड-2 पर अंग्रेजी शराब दुकान के पास शराब दुकान बंद होने के बाद शराब बेचते गिरफ्तार किया है।

मौखिक आदेश पर शराब दुकानों में हो रही खुलकर बिक्री, हरिभूमि स्टिंग में खुला खेला

शराब की जितनी बोतल चाहिए, दुकानों में मिल रही, लिमिट खत्म, अब अनलिमिट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी की अलग-अलग शराब दुकानों में ग्राहकों को तय लिमिट से ज्यादा शराब बेची जा रही है। नियम के मुताबिक एक व्यक्ति को एक बार में केवल एक बोतल शराब देने की लिमिट तय है। इसके विपरीत अब ग्राहकों को उनकी जरूरत के मुताबिक शराब उपलब्ध कराई जा रही है। इसकी पुष्टि हरिभूमि के स्टिंग ऑपरेशन में हुई। अनलिमिटेड शराब बेचे जाने को लेकर संबंधित अफसर से संपर्क किया गया तो उन्होंने चेक कराने के बाद कार्रवाई करने की जानकारी दी।

राज्य में कोचिया प्रथा पर लगाम लगाने राज्य सरकार ने पिछले वित्तीय वर्ष में शराब के लिए नए नियम लागू किए थे। नए नियम में एक बार में एक व्यक्ति को एक बोतल शराब बेचे जाने का नियम बनाया गया था। साथ ही एक बार में एक व्यक्ति को तीन बोतल बीयर देने का नियम बनाया गया था। नियम बनने के बाद कुछ दिनों तक इसका पालन किया गया। नगरीय निकाय तथा त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के समय शराब की खपत बढ़ने के बाद अघोषित तौर पर नियम को शिथिल करते हुए शेष पेज 11 पर

हरिभूमि लाइव

संबंधित अफसर ने चेक कराने के बाद कार्रवाई करने की दी जानकारी

अघोषित तौर पर रोक हटाई गई

स्थानीय निकाय के चुनाव के समय आबकारी विभाग के साथ पुलिस विभाग की टीम ने पड़ोसी राज्य से तस्करी कर शराब खपाई जा रही थी। आबकारी तथा पुलिस विभाग की टीम ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए पांच करोड़ रुपए से ज्यादा की शराब जब्ती की है। इससे राजस्व को बड़ा नुकसान हुआ। इस बात को ध्यान में रखते हुए आबकारी विभाग ने अघोषित तौर पर शराब बिक्री की लिमिट हटाने मौखिक निर्देश जारी किए हैं।

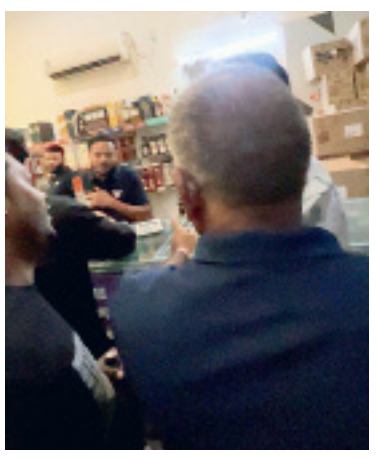

अफसर का ये है कहना : रायपुर जिला आबकारी उपायुक्त रामकृष्ण मिश्रा से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि शराब बिक्री के लिए शासन स्तर पर जो आदेश जारी किए गए हैं। उसी आधार पर शराब बिक्री करने के आदेश हैं। अफसर के अनुसार, किसी को तय लिमिट से ज्यादा शराब बिक्री किए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। लिमिट से ज्यादा शराब बिक्री किए जाने के मामले में अफसर ने पड़ताल कराने के बाद कार्रवाई करने की बात कही।

स्टिंग में इस तरह की बातें

पचपेड़ी नाका...दो बोतल से ज्यादा नहीं दूंगा
- शराब लेनी है...
- कितनी बोतल चाहिए
- आप कितनी बोतल दे सकते हो, पार्टी करनी है ...
- मैं दो बोतल से ज्यादा नहीं दूंगा

तेलीबांधा....खर्चा पानी दे देना
- पार्टी करने के लिए शराब चाहिए...
- कितनी बोतल लेनी है
- आप कितना बोतल दे सकते हो...
- आप बताओ कितनी लेनी है...
- 12 बोतल मिल जाएगी?
- मिल जाएगी...
- खर्चा-पानी देना पड़ेगा क्या...
- दो तीन सौ रुपए अपने हिसाब से दे देना

कटोरातालाब....गाड़ी ले आओ, दो बार में ले जाना
- शराब मिल जाएगी क्या, 840 रेंज वाली...
- मिल जाएगी
- कौन-सी ब्रांड है...
- व्हाईट स्ट्रिंगलर
- 12 बोतल लेनी है
- ठीक है दे दूंगा
- ऊपर से कुछ देना पड़ेगा क्या
- नहीं लगेगा, लेकिन दो बार में तीन लोगों को दूंगा, गाड़ी ले आओ

न वापसी न नीलामी

290 महीने से एयरपोर्ट पर खड़ी बांग्लादेशी फ्लाइट हो चुकी कबाड़

- नहीं हो सका इमरजेंसी लैंडिंग वाले एयरक्रॉफ्ट की वापसी पर नीतिगत फैसला
- पांच करोड़ से ज्यादा हो चुका पार्किंग शुल्क, अब हिसाब-किताब भी बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इमरजेंसी लैंडिंग करने वाली बांग्लादेश की यूनाइटेड एयरवेज की फ्लाइट की वापसी होगी अथवा नीलामी.. इस पर 290 माह बीतने के बाद भी अब तक नीतिगत फैसला नहीं हो पाया है। फ्लाइट अभी भी स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के एक किनारे पर खड़ी है। बिना उपयोग के नौ साल से ज्यादा वक्त बीतने की वजह से इसका इंजन बैठ चुका है और मौसम की मार से उसका बाहरी ढांचा भी खराब होने की आशंका है।

नियम के मुताबिक कोई एयरक्रॉफ्ट एयरपोर्ट पर लैंड होता है तो घंटे के हिसाब से उससे पार्किंग शुल्क लिया जाता है। बांग्लादेश के इस फ्लाइट का किराया 5 करोड़ से अधिक हो चुका है और अब इसका हिसाब-किताब रखना भी बंद हो चुका है। सूत्रों के अनुसार, दूसरे देश की फ्लाइट अगर लंबे समय से किसी विमानतल पर खड़ी होती है तो उस पर किस तरह फैसला लिया जाए, इस पर शेष पेज 11 पर

आग लगी और बड़ा हिस्सा टूटकर गिरा

बांग्लादेश की यूनाइटेड एयरवेज की यह फ्लाइट 7 अगस्त 2015 को ढाका से मस्कट जा रही थी। सफर के दौरान आसमान में विमान के एक हिस्से में विस्फोट के बाद आग लग गई। विमान अनियंत्रित हो गया और नजदीकी एयरपोर्ट देखते हुए उसे रायपुर में उतारा गया। फ्लाइट में सवार यात्री तो दूसरे दिन वापस चले गए, मगर कई प्रक्रियाओं के बाद भी एयरक्रॉफ्ट पिछले 9 साल 7 माह से रायपुर एयरपोर्ट पर ही खड़ा-खड़ा कबाड़ हो गया है।

बंद हो चुकी एयरवेज कंपनी

सूत्रों के अनुसार, रायपुर विमानतल पर इमरजेंसी लैंडिंग करने वाली फ्लाइट का संचालन करने वाली यूनाइटेड एयरवेज कंपनी करीब आठ साल पहले अपना काम बंद कर चुकी है। कंपनी के कर्मचारी इसके बाद यहां खड़े एयरक्राफ्ट की स्थिति देखने पहुंचे और उसे 300 मीटर तक खिसकाया था। प्रतिनिधि विमान को जल्द वापस ले जाने का आश्वासन देकर रवाना हुए और अब तक वापस नहीं लौटे।

तापमान कम फिर भी धूप तेज, रात में हल्की ठंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पिछले चौबीस घंटे में दिन के अधिकतम तापमान में दो डिग्री तक की कमी आई, मगर धूप की तेजी पर इसका बड़ा प्रभाव नहीं हुआ। नमीयुक्त हवा के प्रभाव से दिन में बेचैनी महसूस हुई। हवा की दिशा में बदलाव होने की वजह से अब रात में थोड़ी ठंड बढ़ने की संभावना बन रही है।

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, गर्मी में तेजी से बढ़ोतरी होने में थोड़ा वक्त है, क्योंकि आने वाला पश्चिमी विक्षोभ हवा की दिशा में लगातार बदलाव कर रहा है। जब राज्य में दक्षिण अथवा पश्चिम से हवा का आगमन होने की शुरुआत होगी तो तापमान में बढ़ोतरी का ट्रेंड शुरू होगा। अभी वातावरण में नमी की मात्रा 70 फीसदी तक मौजूद है, जिसकी वजह दिन में धूप के साथ बेचैनी भी महसूस हो रही है। पिछले चौबीस घंटे में रायपुर के अधिकतम तापमान में दो डिग्री की कमी आई है, मगर दोपहर तेज धूप का प्रभाव जस के तस रहा है। अनुमान है कि अगले चौबीस घंटे में उत्तरी हवा असर होगा। इससे रात के न्यूनतम तापमान में मामूली गिरावट होगी जिससे थोड़ी ठंडक बढ़ेगी। अधिकतम शेष पेज 11 पर

नमीयुक्त हवा के कारण बेचैनी

नालों के लिए 8 बड़ी पोकलेन और प्लास्टिक कचरा उठाने 9 जटायु खरीदेगा निगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहरभर के बड़े नाले और नालियों की सफाई के लिए नगर निगम के पास पर्याप्त सफाई संसाधन नहीं है। इसके चलते हर साल सफाई विभाग को बारिश के सीजन में किराए के पोकलेन मशीन से नालों की सफाई कराने की नौबत आती है। दस जोन में 10 बड़े पोकलेन मशीन और 5 छोटी मशीनों की जरूरत है। इसके लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने इस बार के निगम बजट में एक प्रस्ताव बनाकर भेजा है, ताकि सफाई संसाधन पर्याप्त होने से समय रहते नाले और नालियों की सफाई कराई जा सके।

दरअसल रायपुर नगर निगम के दस जोन स्थित शहर के बड़े नाले और नालियों की सफाई कराना निगम प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती रहती है। खासकर के बारिश के सीजन में दस जोन के लिए 10 पोकलेन मशीन निगम के पास होने चाहिए, पर वर्तमान में केवल 2 बड़े पोकलेन मशीन उपलब्ध है। साथ ही निकास नाली सफाई के लिए 5 छोटी मशीनों की भी जरूरत है। इस बात को ध्यान में रखते हुए सफाई महकमे ने नगर निगम बजट के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से 8 बड़े आकार की पोकलेन मशीन और 5 छोटी मशीन खरीदने का प्रस्ताव बनाकर भेजा है। इसी तरह शहर के प्रमुख मार्गों व सड़कों पर प्लास्टिक बॉटल, डिस्पोजल व प्लास्टिक पन्नी की सफाई का कार्य स्वचालित मशीन जटायु से कराया जा रहा है। सालभर पहले नगर निगम ने प्रयोग बतौर शहर के लिए 2 जटायु मशीनें खरीदी थीं। ट्रायल के बाद इसका बेहतर रिस्पांस मिलने पर अब सभी जोन और निगम मुख्यालय के लिए 8 जटायु सफाई मशीन खरीदने निगम के बजट में प्रावधान किया जा रहा है।

- स्वास्थ्य विभाग ने निगम बजट के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा

मच्छर उन्मूलन के लिए बजट में प्रावधान

शहर में मच्छरों की समस्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने फागिंग और एंटी लार्वा अभियान को सालभर नियमित रूप से चलाने के लिए शहरी सरकार की बजट में विभाग की ओर से प्रस्ताव बनाकर भेजा है। यह कार्य रायपुर नगर निगम के 70 वार्डों में एक साथ निगम से अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से कराया जाएगा। विदित हो, 3 माह पूर्व नगर निगम ने शहर में पहली बार पॉयलट प्रोजेक्ट के तहत एकीकृत मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम के लिए निजी एजेंसी को अनुबंधित किया। पूर्व में यह कार्य जोन स्तर पर किया जाता था, पर इसके बेहतर प्रतिसाद नहीं मिलने से मच्छर उन्मूलन का काम ठेके पर दिया गया है, जिसमें अनुबंधित एजेंसी फागिंग मशीन से लेकर आवश्यक संसाधन खुद के खर्च पर उपलब्ध कराएगी। नगर निगम मुख्यालय में एजेंसी के कार्य की मॉनिटरिंग करने अलग से कंट्रोल रूप भी खोला गया।

नाबालिग बेटे और उसके दोस्त से महिला कराती थी चोरी, गिरफ्तार

- चोरी का माल खपाने का काम करती थी महिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रावतपुरा कॉलोनी के सूने मकान में चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक महिला उसके नाबालिग बेटे तथा उसके एक दोस्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महिला अपने बेटे तथा उसके दोस्त के माध्यम से चोरी कराती थी। इसके बाद चोरी के माल को ठिकाने लगाने का काम करती थी। रावतपुरा कॉलोनी फेस-2 निवासी अमर नन्हेट की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अहिल्याबाई मानिकपुरी, उसके शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

चकल्लस

फ्लावर से फायर

माशिम के माहौल के इन दिनों कहने ही क्या हैं? मैडम कब, किस बात पर फ्लावर से फायर हो जाएं, कह नहीं सकते। इसी कारण एक अधिकारी ने अपना तबादला संस्कृत बोर्ड में करवा लिया। साहब बड़े खुश थे, लेकिन आदेश जारी होते ही आचार संहिता लग गई। साहब को पदभार से मुक्त नहीं किया जा सका और साहब फंस गए। मैडम को जैसे ही ज्ञात हुआ कि वे जाने वाले हैं, तो उन्होंने नोटिस जारी कर दिया। बेचारे साहब ये समझ नहीं पा रहे हैं कि जब उन्होंने कार्य मैडम को सूचित करके किया तो उन्हें नोटिस क्यों जारी हुआ। खैर... किस्मत खराब हो तो ऊंट पर बैठे व्यक्ति को भी कुत्ता काट लेता है।

गहने वाले साहब

राजधानी का एक प्रतिष्ठित विद्यालय जो दिवंगत पत्रकार के नाम पर है, वहां इन दिनों कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। विद्यालय में समिति बनाई गई, जिसका मुखिया एक गहने वाले साहब को बना दिया गया। इसके बाद से साहब अपने आप को प्राचार्य ही समझने लगे हैं। एक-दो ऐसे फरमान जारी कर दिए कि महिला शिक्षिकाएं सिर पकड़कर बैठ गईं। साहब की पहुंच इतनी कि उनके खिलाफ कोई फरियाद सुनने को ही तैयार नहीं। सुनने में आया है कि महिला शिक्षिकाएं आयोग जारी करने की तैयारी कर रही हैं। परीक्षा से पहले अब हंगामे के लिए तैयार रहिए।

कांग्रेस की उठापटक

वैसे तो छत्तीसगढ़ में हर तरह के चुनाव खत्म हो गए हैं। वार्ड पंच तक का चुनाव हो गया है। कुछ बचा नहीं है। लेकिन अभी एक और चुनाव होना है। कांग्रेस का अंदरूनी चुनाव। तय हो गया है कि अब पीसीसी चीफ बदला जाएगा। साथ में दो आजू-बाजू कार्यकारी भी बनाने की खबर है। इस बीच बड़ी खबर देवेंद्र यादव को लेकर है। हल्ला मचा कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। हालांकि खबरी का कहना है कि आलाकमान देवेंद्र का उपयोग ओबीसी वोटरों को रिझाने के लिए कर सकता है। अब छत्तीसगढ़ में तो कोई चुनाव नहीं है। तीन साल तक फुरसत है। सो यहां कोई फायदा दिखता नहीं। हां, राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी दिया जाना संभव है।

आ अब लौट चलें

बीते महीने भर से जिनके यहां मकान-दुकान का काम चल रहा था उनका दर्द कोई नहीं समझ सकता। मजदूरों को गांव से लेकर शहरों की गली-गली तक चुनाव थे। पांच सौ रुपए पर डे और खाना-पीना साथ में आसानी से मिल रहा था। गांव से मजदूरों को आना बंद कर दिया। खबरी बता रहा था कि अब विचारधारा या समर्थन के नाम पर कोई धूप में नहीं घूमता। भीड़ दिखाने के लिए मजदूरों को बुलाना ही पड़ता है। मजदूरों ने काम छोड़कर प्रचार करना शुरू कर दिया। हालत यह हो गई कि बड़े प्रोजेक्ट लटक गए। प्रचार खत्म हो गया है। खबरी बता रहा थ चुनाव निपट गए हैं। अब मजदूर लौटने लगे हैं। काम भी तेजी पकड़ने लगा है।

अब शुरू होगा असली खेल

नगरीय निकायों के चुनाव में हमने देखा कि पैसों की बांटा-बांटी की किसकी शिकायतें किस तरह और कहां नतीजे प्रभावित हुए हैं। लेकिन खबरी को पता है कि ये मामला चिल्हर सौदे का था। अब जिला पंचायतों के चुनाव होने के समय पता लगेगा कि किस जिले में जीते हुए जिला पंचायत सदस्यों का विश्वास हासिल करने में कितनी बड़ी बोलियां लगने वाली है। दरअसल 33 जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए सत्ताधारी और विपक्षी पार्टी के बीच जबरदस्त खींचतान हैं। खबर मिली है कि तीसरे चरण का चुनाव पूरा होने के साथ ही सदस्यों की खरीद-फरोख्त की मंडी ने अपना काम शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में साफ होगा कि कौन-कहां कितने में बिका। इसी आधार पर जिला पंचायत अध्यक्ष पद की कुर्सी का फैसला होगा।

सरकार बदल गई है भाई

सत्ता का असर देर से जाता है। पहले पुलिस सब देखकर मुंह फेर लेती थी। लेकिन सरकार बदल गई। अब पुलिस सख्ती कर रही है। यूथ कांग्रेस के एक नेताजी ने अपना जन्मदिन धूम-धड़ाके से मना डाला। पुलिस ने उसे साथियों के साथ धर लिया। मामला हाईकोर्ट तक चला गया है। देवेंद्र यादव जेल से रिहा हुए तो जोश में कार्यकर्ता सड़क तक फैल गए। पुलिस ने एफआईआर कर डाली। एफआईआर होने के बाद वे सोच रहे हैं कि ऐसा क्या गुनाह कर दिया। यह सब तो पहले भी होता था। अब कौन समझाए...भाई सरकार बदल गई है। जन्मदिन मनाओ या जश्न...थोड़ा संभलकर।

गरीबों का राशन, अमीरों की तिजोरी

600 करोड़ रुपए के राशन घोटाले के बाद एक और राशन घोटाले का खुलासा पिछले दिनों हुआ। छापे में राशन दुकानों के ढाई हजार क्विंटल चावल का डिमांड ऑर्डर मिला। सभी ऑर्डर रायपुर बीरगांव और धरसीवां के राशन दुकानों के हैं। मतलब राशन निकल तो गरीबों के नाम से है लेकिन जा अमीरों मिलों में है। वह भी थोड़ा बहुत नहीं, हजारों क्विंटल। मतलब समझ रहे हैं। यह आंकड़ा केवल एक छापे में आया है। अगर पूरे प्रदेश में जांच हो जाए तो मामला करोड़ों का नहीं, अरबों का निकल सकता है।

अपने गिरबां में भी झांकिए साहब

निजी अस्पतालों के लिए बनाए गए नर्सिंग होम एक्ट की निगरानी करने वाली टीम की पोल खुल गई है। नियम के मुताबिक सौ बेड के अस्पताल में कम से कम 15 डाक्टर होने चाहिए, मगर वहां काम मात्र तीन डॉक्टरों के भरोसे चल रहा था, नर्सिंग स्टाफ का तो अता-पता ही नहीं था। लापरवाही के लिए निजी अस्पताल को योजना से निलंबित कर मामले का पटाक्षेप कर दिया गया, मगर सवाल यह खड़ा हो गया है कि इन अस्पतालों को नर्सिंग होम एक्ट के तहत संचालन की अनुमति देने वाली टीम को ये कमियां क्यों नजर नहीं आतीं। माना जा रहा है कि अस्पतालों में नर्सिंग होम एक्ट का पालन ले-देकर हो रहा है और इसकी जांच करने वाली टीम के सदस्य मालामाल हो रहे हैं।

डॉक्टर का 'चिरमिरी' प्रेम

वरिष्ठ शासकीय डॉक्टर का चिरमिरी प्रेम अब उनके मन से निकलकर सरकारी अस्पताल की गलियारों तक चर्चा का विषय बन गया है। ड्यूटी समाप्त होने के बाद डॉक्टर का केबिन अस्थायी रूप से चिरमिरी सदन के रूप में बदल जाता है। क्षेत्र से स्वास्थ्यगत परेशानी लेकर आने वालों के साथ लोगों की व्यक्तिगत समस्याएं और वर्तमान के राजनीतिक माहौल पर भी अक्सर चर्चाएं होती हैं। डॉक्टर के इस प्रेम से अन्य चिकित्सकों को तो कोई आपत्ति नहीं है, मगर परेशानी उन निचले कर्मचारियों की है, जिन्हें ड्यूटी समाप्त होने के बाद केबिन बंद करने सदन समाप्त होने का इंतजार रहता है।

हमें तो अपनों ने लूटा...

निगम चुनाव जैसी दुर्गति कांग्रेस की हुई है, वैसी रायपुर में तो पहले कभी नहीं हुई। लाइन लगाकर दिग्गज निपट गए। खबरी बता रहा था कि हार के बाद समीक्षा की बैठक नेताजी ने अपने घर पर आयोजित की। हिसाब-किताब बताया। लंबा-चौड़ा खर्च बताकर भावुक हो गए। बोले-इसकी भरपाई कैसे होगी समझ नहीं आ रहा। यह भी समझ नहीं आ रहा कि वोटों का इतना बड़ा गड्ढा कैसे हो गया। वोटों का हिसाब किताब लगाया तो समझ आया कि गैरों से ज्यादा अपनों ने हराने में ज्यादा मेहनत की है। एक-दूजे को निपटाने में ही सब निपट गए। हालांकि...नेताजी ने पैसे और वोट के हिसाब के साथ अपनों से मिले धोखे का हिसाब भी डायरी में लिख लिया है।

ब्रेकफास्ट या लंच ?

अपोजिशन वाले मिलकर माथा पच्ची कर रहे कि इस बार जनरल मीटिंग में ब्रेकफास्ट से काम चलाना पड़ेगा कि लंच का इंतजाम रहेगा। पहले जैसे बात कहां रहेगी,वन मेन शो वाले खुद निपटे तो निपटे कइयों को निपटा गये। एक ने कहा सही बात भाई अब तो वही हालत होगी जिधर बैठा दे बैठ जाओ। बोलने कहे तो बोलना नहीं तो देखने और सुनने के अलावा कुछ बचा नहीं। दूसरे ने रही सही कसर पूरी कर दी। खाना-पीना का हिसाब रखने वाले बाबू बता रहे थे कि आधा घंटा में एजेंडा निपट जायेगा। न ज्यादा चूं चपड़ होगी न हल्ला गुल्ला। सो ब्रेकफास्ट के बाद बस यही सुनने को मिलगा पास-पास।

हमें राजिम में ही स्नान करा दो

प्रदेश के सभी मंत्री, भाजपा विधायक, सांसद कांग्रेस के भी कुछ विधायकों के साथ विशेष विमान से प्रयागराज जाकर महाकुंभ में डुबकी लगाकर आ गए। इसके बाद नगरीय निकाय चुनाव में जीत के बाद राजधानी की महापौर और पार्षद भी लग्जरी बसों से प्रयागराज गए और महाकुंभ होकर लौट आए हैं। इससे चुनाव में दिन रात एक करने वाले कार्यकर्ता मायूस हैं। वे कह रहे हैं कि हमें वैसे तो देवतुल्य कहा जाता है। लेकिन प्रयागराज तो दूर राजिम कुंभ में भी डुबकी तक लगाने का मौका नहीं मिला है। कुंभ वैसे ही खत्म होने वाला है। वहां नहीं तो कम से कम राजिम में ही स्नान करा दो।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला
प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

बिजली की डिमांड में अभी से गर्मी, खपत पहुंची 6000 मेगावाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

गर्मी ने अभी अपने तेवर पूरे नहीं दिखाए हैं, लेकिन बिजली में डिमांड की गर्मी अभी से दिखने लगी है। फरवरी में बिजली की खपत छह हजार मेगावाट तक पहुंच गई है।

एक दिन पहले अपना उत्पादन महज 17 सौ मेगावाट था, क्योंकि मड़वा के साथ ही कोरबा में भी पांच सौ मेगावाट का संयंत्र बंद था, ऐसे में सेंट्रल सेक्टर से 37 सौ मेगावाट तक बिजली लेनी पड़ रही थी, लेकिन रविवार को पांच सौ मेगावाट के दोनों संयंत्रों के प्रारंभ होने से बड़ी राहत मिली है। रविवार को भी सेंट्रल सेक्टर से 37 सौ मेगावाट बिजली लेने का शेड्यूल था, क्योंकि शेड्यूल एक दिन पहले तय करना पड़ता है। अब सोमवार से सेंट्रल सेक्टर से कम बिजली लेनी पड़ेगी। वैसे इस बार गर्मी में बिजली की खपत का अनुमान 65 सौ मेगावाट से ज्यादा का है। ऐसे में सेंट्रल सेक्टर से चार हजार मेगावाट तक बिजली लेनी पड़ सकती है। गर्मी अब कब प्रारंभ हो जाए, कहा नहीं जा सकता है।

बीते साल गर्मी ने फरवरी से तेवर दिखाए थे,लेकिन इस बार तो गर्मी जनवरी से ही पड़ने लगी। अब तो फरवरी में पारा और चढ़ने लगा है। पारा चढ़ने के कारण बिजली की खपत का भी पारा लगातार चढ़ रहा है। गर्मी बढ़ने के कारण अभी से प्रदेशभर में एसी और कूलर चलने लगे हैं। इसी के साथ कृषि पंप भी चलने के कारण खपत का ग्रॉफ लगातार बढ़ रहा है।

फरवरी में पहली बार इतनी खपत

फरवरी में आमतौर पर बिजली की खपत इतनी नहीं रहती है। कृषि पंपों के कारण खपत पांच हजार मेगावाट के पार जरूर हो जाती है, लेकिन खपत छह हजार मेगावाट तक नहीं जाती है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक पहली बार फरवरी में इतनी ज्यादा खपत हो रही है। इसके पीछे का कारण यह है कि लगातार एसी और कूलर चल रहे हैं, जिसके कारण खपत में इजाफा हो रहा है।

■ पांच सौ मेगावाट की दो यूनिट के वापस प्रारंभ होने से बड़ी राहत

सेंट्रल सेक्टर का सहारा

पॉवर कंपनी के अपने संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है, लेकिन कभी भी उत्पादन सौ फीसदी नहीं होता है। सभी संयंत्रों के चलने पर अपना उत्पादन 25 से 26 सौ मेगावाट तक होता है। रविवार को सभी संयंत्रों के वापस प्रारंभ होने के कारण अपना उत्पादन 22 सौ मेगावाट के आसपास हो रहा था। वैसे यह उत्पादन 25 सौ मेगावाट से ज्यादा हो सकता था, लेकिन रविवार को भी सेंट्रल सेक्टर से 37 सौ मेगावाट बिजली लेने का शेड्यूल तय होने के कारण अपने संयंत्रों से कम बिजली का उत्पादन किया जा रहा था। तय शेड्यूल के मुताबिक ही सेंट्रल सेक्टर से बिजली लेनी पड़ती है। सोमवार से जरूर अपना उत्पादन वापस 25 से 26 सौ मेगावाट तक हो जाएगा। इसके बाद भी खपत ज्यादा होने के कारण सेंट्रल सेक्टर से साढ़े तीन सौ मेगावाट के आसपास बिजली लेनी पड़ेगी।

आपत्तियों और विवाद के चलते मास्टर प्लान में किया जा रहा सुधार

मास्टर प्लान में बरसों की देरी, अब तक 56 शहरों का हुआ तैयार, डंप हो रहे प्रोजेक्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

छत्तीसगढ़ के छोटे शहरों से लेकर बड़े शहरों के विकास के लिए बनाई जाने वाली विकास योजना यानी मास्टर प्लान का हाल बेहाल है। खास बात ये है कि राजधानी रायपुर का मास्टर प्लान तैयार करने के बाद सामने आईं आपत्तियों और विवाद के कारण इसे अब तक लागू नहीं किया जा सका है।

यही हाल कई अन्य शहरों का भी है। खास बात ये है कि मास्टर प्लान जारी न हो पाने से निजी क्षेत्र की छोटी-बड़ी विकास परियोजनाओं के लिए मंजूरी नहीं मिल पा रही है। कई प्रोजेक्ट इसी वजह से शुरू नहीं हो पा रहे हैं। बताया गया है कि राज्य के 56 शहरों का मास्टर प्लान तैयार हो गया है, लेकिन बहुत-सी जगह आपत्तियों और विवाद के कारण इसमें सुधार किया जा रहा है, इस वजह से मास्टर प्लान लागू नहीं हो पाया है।

पुराना समाप्त होने के पहले नया प्लान जरूरी

नगर निवेश के जानकारों की मानें तो किसी भी शहर के लिए बने मास्टर प्लान के पूरे होने के पहले नया मास्टर प्लान बन जाना चाहिए। इसी हिसाब से विकास की गतिविधियां तय होती हैं। बताया गया है कि रायपुर शहर के लिए मास्टर प्लान-2031 लागू करने में पहले से ही चार वर्ष का विलंब हो चुका है। अभी भी यह तय नहीं है कि कब तक इसे लागू किया जाएगा। इसकी वजह से 30 लाख की आबादी के लिए तैयार किए गए प्लान का क्रियान्वयन करने में विलंब हो रहा है, जबकि नियमानुसार पुराने मास्टर प्लान की अवधि समाप्त होने से पहले ही अगला मास्टर प्लान तैयार हो जाना चाहिए।

रायपुर समेत कई शहरों में पेंच

पिछली सरकार के प्लान में मिलीं गड़बड़ियां

रायपुर के नए मास्टर प्लान को लेकर एक बड़ा पेंच ये है कि इसे पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में तैयार किया गया था। इसके बाद आई राज्य की भाजपा सरकार ने इस मास्टर प्लान में कई गड़बड़ियां निकालीं। साथ ही कुछ तकनीकी विवाद भी सामने आए। यही कारण है कि पिछली सरकार के मास्टर प्लान को सुधार की कोशिशों को बाद भी अब तक लागू नहीं किया जा सका है। साथ ही इसकी जांच करने के साथ ही संशोधित प्लान जारी करने के लिए कमेटी भी बनाई गई है। यही नहीं, 2021 तक के लिए जारी किए गए प्लान में भी सैकड़ों कार्य अब तक नहीं हुए हैं।

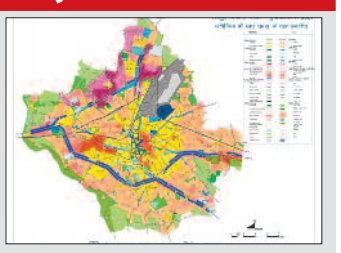

इस साल के लिए इन शहरों का प्लान पूरा करने का लक्ष्य : राज्य के कई शहरों के मास्टर प्लान इस साल यानी 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इनमें खरोरा, फिंगेश्वर, चंपारण, देवकर, मारो, परपोड़ी, छुरिया, मुरमुंदा (कलस्टर) गण्डई, पाली, कटघोरा, पथरिया, गौरेला-पेण्ड्रा, जयरामनगर-मस्तूरी (कलस्टर) घरघोड़ा सरिया, भोपालपट्टनम, नगरगार, विश्रामपुरी, सोनाडीह, रवान, खपराडीह, रिसदा, डौंडीलोहारा, दल्लीराजहरा, गुरूर, सिरपुर (विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण) बोड़ला, कुण्डा (कलस्टर) भटगवां, राजपुर, कुसमी, चंद्रपुर, सारागांव, बलौदा, खरौद, कोतबा, पत्थलगांव, गीदम, बड़े बचेली-किरंदुल, आमदी, दरबा, चारामा, नरहरपुर, सोनहत कलस्टर और भरतपुर शामिल हैं।

प्रकाशित विकास योजनाएं, बन रहे मास्टर प्लान

जिन शहरों का मास्टर प्लान पिछले साल प्रकाशित हो चुका है उनमें तिल्दा-नेवरा, दंतेवाड़ा, अकलतरा, कोटा, दीपका, सहसपुर-लोहारा, सूरजपुर और लखनपुर शामिल हैं। साथ ही जिन शहरों के मास्टर प्लान तैयार करने के लिए काम किया जा रहा है, उनमें गोबरा नवापारा, राजिम, गरियाबंद, मल्हार, तखतपुर, लोरमी, बिल्हा, मरवाही, धमधा, बेरला, साजा, डोंगरगांव, छुईखदान, छुरी, बरमकेला, पुसौर, बस्तर, केसकाल, फरसगांव, बिलाईगढ़, गिरौदपुरी, पलारी लवन, सिमगा, गुण्डरदेही, तुमगांव, भंवरपुर, (कलस्टर) पाण्डातराई, पंडरिया, पिपरिया, बिरकोना (कलस्टर) विश्रामपुर, रघुनाथपुर (कलस्टर) शिवरीनारायण, सक्ती, जेठा, कुनकुरी, बगीचा, कोण्टा, भखारा, मगरलोड, अंतागढ़, बैकुण्ठपुर, मनेंद्रगढ़, शिवपुर चरचा शामिल हैं।

इन शहरों का मास्टर प्लान हुआ अंगीकृत

नगर एवं ग्राम निवेश की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल की स्थिति में प्रदेश में कुल 53 निवेश क्षेत्र की विकास योजनाएं बनाकर 45 विकास योजनाएं अंगीकृत की गई हैं, लेकिन 2025 में बताया जा रहा है कि करीब 56 शहरों की योजनाएं अंगीकृत हो गई हैं। लेकिन इनमें से कई शहरों में विवाद और आपत्तियों के कारण मास्टर प्लान लागू नहीं हो पाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में पिछले साल तक कुल 53 निवेश क्षेत्रों की विकास योजनाएं तैयार की जाकर 45 विकास योजनाएं अंगीकृत गईं, जो कि क्रमशः रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, अटल नगर डेवलपमेंट अथॉरिटी, कोरबा, राजनांदगांव, जगदलपुर, डोंगरगढ़, चांपा, जांजगीर, धमतरी, अंबिकापुर, बालोद, कवर्धा, रायगढ़, आरंग, अभनपुर, बलौदाबाजार, भाटापारा, महासमुंद, अहिवारा, कोण्डागांव, नारायणपुर, कांकेर, रतनपुर, सीपत साडा, मुंगेली, भानुप्रतापपुर, सारंगढ़, जशपुरनगर, बलरामपुर, खरसिया, बेमेतरा, खैरागढ़, सराईपाली, बागबाहरा, बीजापुर, अरपा साडा, कसडोल, थानखम्हरिया, पाटन, पिथौरा, पखांजूर, सुकमा, कुरुद हैं।

देवव्रत शर्मा जनपद सदस्य हुए निर्वाचित

तिल्दा नेवरा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में तिल्दा नेवरा जनपद क्षेत्र क्रमांक 9 से सबसे कम उम्र के जनपद सदस्य के रूप में देवव्रत शर्मा गोलू ने लगभग 200 से अधिक मतों से जीत दर्ज की है। उन्होंने हर्ष पाल को हराया है। देवव्रत शर्मा सरस्वती शिशु मंदिर तिल्दा नेवरा में फाउंडर मेंबर दिलीप शर्मा के सुपुत्र एवं जिला पंचायत सभापति राजू शर्मा के भतीजे है। विजई होने के बाद तहसीलदार द्वारा उन्हें प्रमाण पत्र दिया गया।

भरत पर जानलेवा हमला, चाकू जब्त, चार आरोपी हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

प्रार्थी भारत लाल निर्मलकर शाम के समय ग्राम छपोरा में अपने घर के पास खडा था उसी समय गांव का संतोष वर्मा आकर उसे शराब पिलाने कहा जिसे प्रार्थी ने मना किया तो इसी बात को लेकर संतोष वर्मा उसे गाली गलौज कर वहां से जाकर अपने लडके शुभम वर्मा और उसके दोस्तो को बताया जिस पर शुभम वर्मा और उसके अन्य दो दोस्त भारत लाल निर्मलकर के पास जाकर गंदी गंदी गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर हत्या करने की नियत से चाकू से भरत लाल वर्मा के पेट के नीचे एवं बांये कमर के उपर पीठ और बांये जांघ पर माकर प्राणघातक चोट पहुँचाये, जिसे त्वरित उपचार के लिये सरकारी अस्पताल तिल्दा नेवरा लाकर भर्ती कराया गया जहां पर उपचार जारी है। नेवरा पुलिस ने आरोपीगण के खिलाफ अपराध कायम कर विवेचना पतासाजी दौरान संतोष वर्मा पिता स्व नारायण वर्मा उम्र 49 वर्ष, शुभम वर्मा पिता संतोष वर्मा उम्र 22 वर्ष,उमेश पाल उर्फ राजा पिता सोहन पाल उम्र 20 वर्ष एवं नाबालिग बालक को हिरासत में लिया गया। आरोपी से घटना में प्रयुक्त एक बटनदार चाकू को जप्त किया गया।

सतनामी समाज की बैठक में कई मुद्दों पर विचार-विमर्श

अभनपुर। सतनामी समाज उपतहसील परिक्षेत्र खोरपा का आवश्यक बैठक सामुदायिक भवन भटगांव (खोरपा)में संपन्न हुआ। बैठक मे महिला प्रकोष्ठ का गठन ,नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण,सम्मान समारोह ,संगठन के विकास के लिए कार्य योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा किया गया। परिक्षेत्र अध्यक्ष लक्षवीर बांधे एवं संरक्षक मोहन बंजार ने संगठन को मजबूत बनाने एवं शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों छात्राओं को प्रोत्साहित करने, महिला प्रकोष्ठ के गठन लिए सक्रिय महिला कार्यकर्ताओ को अधिक से अधिक सदस्यता ग्रहण कर संगठन में जोडने का अपील किया गया। इस दौरान लक्षवीर बांधे, मनमोहन कुर्रे,जितेन्द्र कुर्रे,कमलेश बांधे, पीएल गहिरवारे, मोहन बंजारे,चन्द्रकान्त चेलक, संजय कुर्रे, गौतम बांधे, सूर्यकांत चेलक,युगल किशोर कोसले, भुनेश्वर ओगरे,रमा प्रसाद एवं परिक्षेत्र के अनेक सामाजिक जन उपस्थित रहे।

चंद्रकांत वर्मा टेकारी के सरपंच हुए निर्वाचित

सिलयारी। पंचायत चुनाव के द्वितीय चरण में धरसीवां क्षेत्र के टेकारी गांव से इस बार युवा चेहरे को नेतृत्व करने का मौका जनता ने दिया है टेकारी गांव में जनता ने इस बार युवा सरपंच चंद्रकांत वर्मा को रिकॉर्ड तोड़ मतों से जीत दर्ज की है चंद्रकांत वर्मा महज 27 वर्ष के हैं उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी पुनीत राम वर्मा को 1785 वोट से पराजित किया है। चंद्रकांत वर्मा मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज युवा प्रकोष्ठ के कोषाध्यक्ष भी हैं।

रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता कल

अभनपुर। 23 फरवरी बाल क्रीडा मंडल परसुलीडीह के तत्वावधान मे एक दिवसीय रात्रिकालिन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 25 फरवरी को रखा गया है। समिति के पदाधिकारियो ने बताया कि क्षेत्र सहित आसपास अंचल की टीमे भाग लेगी।

तिल्दा नगर पालिका उपाध्यक्ष पद के ईश्वर यदु प्रबल दावेदार

तिल्दा नेवरा। नगर पालिका परिषद में लगातार प्रतिनिधित्व कर रहे नवनिर्वाचित भाजपा पार्षद ईश्वर यदु नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष पद हेतु प्रबल दावेदार माने जा रहे है। पार्टी उनके नाम पर मुहर लगा सकती है। ज्ञात रहे ईश्वर यदु लगातार पालिका परिषद में प्रतिनिधित्व करते आ रहे है। साथ ही वे भाजपा के पूर्व शहर मंडल अध्यक्ष भी थे। जब भाजपा बहुमत में नहीं थी तब भी वे नगर पालिका परिषद में दमदारी से भाजपा पार्टी के लिए बाते रखते थे। साथ ही भाजपा के वे समर्पित नेता है ऐसे में पार्टी उस पर अपना विश्वास जता सकती है। बता दे अध्यक्ष पद पर महिला प्रत्याशी श्रीमती चंद्रकला वर्मा विजई हुई है, और पालिका परिषद में 12 पार्षदों के साथ भाजपा बहुमत में है। और उपाध्यक्ष पद पर अब पुरुष वर्ग को महत्व दिया जा सकता है, ऐसे में ईश्वर यदु के नाम पर सहमति बन सकती है और वे प्रबल दावेदार भी माने जा रहे है। साथ ही भाजपा के लगभग पूरे पार्षद भी उनके नाम पर अपनी सहमति जता रहे है ऐसी चर्चा भी शहर में जमकर है।

धूमधाम से मनाई संत शिरोमणि गुरु रविदास की 668वीं जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

स्थानीय वार्ड नंबर 15 में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 668वी जयंती धूमधाम से मनाई गई। नगर में कलश शोभायात्र निकालकर गुरु जी की वाणी सभी को याद दिलाकर उनके मार्ग का अनुशरण करने का संदेश दिया गया। साथ ही गुरु रविदास मंदिर के सामने रंगमंच मे कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नगर के समस्त पार्षद जनप्रतिनिधि एवं समाज के लोग हिस्सा लिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता —ष्ण कुमार भारद्वाज थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित पार्षद नरेंद्र लोधी ने किया। समाज के संरक्षक धुरव कुमार मिर्धा ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के वाणी को समस्त संत समाज के बीच रखा। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पार्षदगण पुष्कर साहू, गोलू कंड़रा, हिरवान कोसले, पार्शद प्रतिनिधि खिलेश धुरंधर, विक्रम परमार, राकेश सोनकर, तोशण लाल साहू और समाज के वरिष्ठ छबिलो सोनवानी, पंचम अजगरा, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सूरज शर्मा, पूर्व पार्षद सुशील जलक्षत्री, सतीश सोनकर, खूबचंद साहू, लल्ला साहनी, जन्नू लोधी, शत्रुहान लोधी, नागेंद्र लोहार आदि एवं मोहल्लावासी उपस्थित थे। कार्यक्रम समापन में आभार प्रदर्शन जयंती समिति के अध्यक्ष सुनील अजगर, महेश मिर्धा, गोवर्धन अजगर, रामू मिधा, दीपक अजगर, राजू अजगर, योगेश सोनवानी आदि द्वारा किया गया।

चकल्लस

फ्लावर से फायर

माशिम के माहौल के इन दिनों कहने ही क्या हैं? मैडम कब, किस बात पर फ्लावर से फायर हो जाएं, कह नहीं सकते। इसी कारण एक अधिकारी ने अपना तबादला संस्कृत बोर्ड में करवा लिया। साहब बड़े खुश थे, लेकिन आदेश जारी होते ही आचार संहिता लग गई। साहब को पदभार से मुक्त नहीं किया जा सका और साहब फंस गए। मैडम को जैसे ही ज्ञात हुआ कि वे जाने वाले हैं, तो उन्होंने नोटिस जारी कर दिया। बेचारे साहब ये समझ नहीं पा रहे हैं कि जब उन्होंने कार्य मैडम को सूचित करके किया तो उन्हें नोटिस क्यों जारी हुआ। खैर... किस्मत खराब हो तो ऊंट पर बैठे व्यक्ति को भी कुत्ता काट लेता है।

गहने वाले साहब

राजधानी का एक प्रतिष्ठित विद्यालय जो दिवंगत पत्रकार के नाम पर है, वहां इन दिनों कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। विद्यालय में समिति बनाई गई, जिसका मुखिया एक गहने वाले साहब को बना दिया गया। इसके बाद से साहब अपने आप को प्राचार्य ही समझने लगे हैं। एक-दो ऐसे फरमान जारी कर दिए कि महिला शिक्षिकाएं सिर पकड़कर बैठ गईं। साहब की पहुंच इतनी कि उनके खिलाफ कोई फरियाद सुनने को ही तैयार नहीं। सुनने में आया है कि महिला शिक्षिकाएं आयोग जारी करने की तैयारी कर रही हैं। परीक्षा से पहले अब हंगामे के लिए तैयार रहिए।

कांग्रेस की उठापटक

वैसे तो छत्तीसगढ़ में हर तरह के चुनाव खत्म हो गए हैं। वार्ड पंच तक का चुनाव हो गया है। कुछ बचा नहीं है। लेकिन अभी एक और चुनाव होना है। कांग्रेस का अंदरूनी चुनाव। तय हो गया है कि अब पीसीसी चीफ बदला जाएगा। साथ में दो आजू-बाजू कार्यकारी भी बनाने की खबर है। इस बीच बड़ी खबर देवेंद्र यादव को लेकर है। हल्ला मचा कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। हालांकि खबरी का कहना है कि आलाकमान देवेंद्र का उपयोग ओबीसी वोटरों को रिझाने के लिए कर सकता है। अब छत्तीसगढ़ में तो कोई चुनाव नहीं है। तीन साल तक फुरसत है। सो यहां कोई फायदा दिखता नहीं। हां, राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी दिया जाना संभव है।

आ अब लौट चलें

बीते महीने भर से जिनके यहां मकान-दुकान का काम चल रहा था उनका दर्द कोई नहीं समझ सकता। मजदूरों को गांव से लेकर शहरों की गली-गली तक चुनाव थे। पांच सौ रुपए पर डे और खाना-पीना साथ में आसानी से मिल रहा था। गांव से मजदूरों को आना बंद कर दिया। खबरी बता रहा था कि अब विचारधारा या समर्थन के नाम पर कोई धूप में नहीं घूमता। भीड़ दिखाने के लिए मजदूरों को बुलाना ही पड़ता है। मजदूरों ने काम छोड़कर प्रचार करना शुरू कर दिया। हालत यह हो गई कि बड़े प्रोजेक्ट लटक गए। प्रचार खत्म हो गया है। खबरी बता रहा थ चुनाव निपट गए हैं। अब मजदूर लौटने लगे हैं। काम भी तेजी पकड़ने लगा है।

अब शुरू होगा असली खेल

नगरीय निकायों के चुनाव में हमने देखा कि पैसों की बांटा-बांटी की किसकी शिकायतें किस तरह और कहां नतीजे प्रभावित हुए हैं। लेकिन खबरी को पता है कि ये मामला चिल्हर सौदे का था। अब जिला पंचायतों के चुनाव होने के समय पता लगेगा कि किस जिले में जीते हुए जिला पंचायत सदस्यों का विश्वास हासिल करने में कितनी बड़ी बोलियां लगने वाली है। दरअसल 33 जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए सत्ताधारी और विपक्षी पार्टी के बीच जबरदस्त खींचतान हैं। खबर मिली है कि तीसरे चरण का चुनाव पूरा होने के साथ ही सदस्यों की खरीद-फरोख्त की मंडी ने अपना काम शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में साफ होगा कि कौन-कहां कितने में बिका। इसी आधार पर जिला पंचायत अध्यक्ष पद की कुर्सी का फैसला होगा।

सरकार बदल गई है भाई

सत्ता का असर देर से जाता है। पहले पुलिस सब देखकर मुंह फेर लेती थी। लेकिन सरकार बदल गई। अब पुलिस सख्ती कर रही है। यूथ कांग्रेस के एक नेताजी ने अपना जन्मदिन धूम-धड़ाके से मना डाला। पुलिस ने उसे साथियों के साथ धर लिया। मामला हाईकोर्ट तक चला गया है। देवेंद्र यादव जेल से रिहा हुए तो जोश में कार्यकर्ता सड़क तक फैल गए। पुलिस ने एफआईआर कर डाली। एफआईआर होने के बाद वे सोच रहे हैं कि ऐसा क्या गुनाह कर दिया। यह सब तो पहले भी होता था। अब कौन समझाए...भाई सरकार बदल गई है। जन्मदिन मनाओ या जश्न...थोड़ा संभलकर।

गरीबों का राशन, अमीरों की तिजोरी

600 करोड़ रुपए के राशन घोटाले के बाद एक और राशन घोटाले का खुलासा पिछले दिनों हुआ। छापे में राशन दुकानों के ढाई हजार क्विंटल चावल का डिमांड ऑर्डर मिला। सभी ऑर्डर रायपुर बीरगांव और धरसीवां के राशन दुकानों के हैं। मतलब राशन निकल तो गरीबों के नाम से है लेकिन जा अमीरों मिलों में है। वह भी थोड़ा बहुत नहीं, हजारों क्विंटल। मतलब समझ रहे हैं। यह आंकड़ा केवल एक छापे में आया है। अगर पूरे प्रदेश में जांच हो जाए तो मामला करोड़ों का नहीं, अरबों का निकल सकता है।

अपने गिरबां में भी झांकिए साहब

निजी अस्पतालों के लिए बनाए गए नर्सिंग होम एक्ट की निगरानी करने वाली टीम की पोल खुल गई है। नियम के मुताबिक सौ बेड के अस्पताल में कम से कम 15 डाक्टर होने चाहिए, मगर वहां काम मात्र तीन डॉक्टरों के भरोसे चल रहा था, नर्सिंग स्टाफ का तो अता-पता ही नहीं था। लापरवाही के लिए निजी अस्पताल को योजना से निलंबित कर मामले का पटाक्षेप कर दिया गया, मगर सवाल यह खड़ा हो गया है कि इन अस्पतालों को नर्सिंग होम एक्ट के तहत संचालन की अनुमति देने वाली टीम को ये कमियां क्यों नजर नहीं आतीं। माना जा रहा है कि अस्पतालों में नर्सिंग होम एक्ट का पालन ले-देकर हो रहा है और इसकी जांच करने वाली टीम के सदस्य मालामाल हो रहे हैं।

डॉक्टर का 'चिरमिरी' प्रेम

वरिष्ठ शासकीय डॉक्टर का चिरमिरी प्रेम अब उनके मन से निकलकर सरकारी अस्पताल की गलियारों तक चर्चा का विषय बन गया है। ड्यूटी समाप्त होने के बाद डॉक्टर का केबिन अस्थायी रूप से चिरमिरी सदन के रूप में बदल जाता है। क्षेत्र से स्वास्थ्यगत परेशानी लेकर आने वालों के साथ लोगों की व्यक्तिगत समस्याएं और वर्तमान के राजनीतिक माहौल पर भी अक्सर चर्चाएं होती हैं। डॉक्टर के इस प्रेम से अन्य चिकित्सकों को तो कोई आपत्ति नहीं है, मगर परेशानी उन निचले कर्मचारियों की है, जिन्हें ड्यूटी समाप्त होने के बाद केबिन बंद करने सदन समाप्त होने का इंतजार रहता है।

हमें तो अपनों ने लूटा...

निगम चुनाव जैसी दुर्गति कांग्रेस की हुई है, वैसी रायपुर में तो पहले कभी नहीं हुई। लाइन लगाकर दिग्गज निपट गए। खबरी बता रहा था कि हार के बाद समीक्षा की बैठक नेताजी ने अपने घर पर आयोजित की। हिसाब-किताब बताया। लंबा-चौड़ा खर्च बताकर भावुक हो गए। बोले-इसकी भरपाई कैसे होगी समझ नहीं आ रहा। यह भी समझ नहीं आ रहा कि वोटों का इतना बड़ा गड्ढा कैसे हो गया। वोटों का हिसाब किताब लगाया तो समझ आया कि गैरों से ज्यादा अपनों ने हराने में ज्यादा मेहनत की है। एक-दूजे को निपटाने में ही सब निपट गए। हालांकि...नेताजी ने पैसे और वोट के हिसाब के साथ अपनों से मिले धोखे का हिसाब भी डायरी में लिख लिया है।

ब्रेकफास्ट या लंच ?

अपोजिशन वाले मिलकर माथा पच्ची कर रहे कि इस बार जनरल मीटिंग में ब्रेकफास्ट से काम चलाना पड़ेगा कि लंच का इंतजाम रहेगा। पहले जैसे बात कहां रहेगी,वन मेन शो वाले खुद निपटे तो निपटे कइयों को निपटा गये। एक ने कहा सही बात भाई अब तो वही हालत होगी जिधर बैठा दे बैठ जाओ। बोलने कहे तो बोलना नहीं तो देखने और सुनने के अलावा कुछ बचा नहीं। दूसरे ने रही सही कसर पूरी कर दी। खाना-पीना का हिसाब रखने वाले बाबू बता रहे थे कि आधा घंटा में एजेंडा निपट जायेगा। न ज्यादा चूं चपड़ होगी न हल्ला गुल्ला। सो ब्रेकफास्ट के बाद बस यही सुनने को मिलगा पास-पास।

हमें राजिम में ही स्नान करा दो

प्रदेश के सभी मंत्री, भाजपा विधायक, सांसद कांग्रेस के भी कुछ विधायकों के साथ विशेष विमान से प्रयागराज जाकर महाकुंभ में डुबकी लगाकर आ गए। इसके बाद नगरीय निकाय चुनाव में जीत के बाद राजधानी की महापौर और पार्षद भी लग्जरी बसों से प्रयागराज गए और महाकुंभ होकर लौट आए हैं। इससे चुनाव में दिन रात एक करने वाले कार्यकर्ता मायूस हैं। वे कह रहे हैं कि हमें वैसे तो देवतुल्य कहा जाता है। लेकिन प्रयागराज तो दूर राजिम कुंभ में भी डुबकी तक लगाने का मौका नहीं मिला है। कुंभ वैसे ही खत्म होने वाला है। वहां नहीं तो कम से कम राजिम में ही स्नान करा दो।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला
प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

बिजली की डिमांड में अभी से गर्मी, खपत पहुंची 6000 मेगावाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

गर्मी ने अभी अपने तेवर पूरे नहीं दिखाए हैं, लेकिन बिजली में डिमांड की गर्मी अभी से दिखने लगी है। फरवरी में बिजली की खपत छह हजार मेगावाट तक पहुंच गई है।

एक दिन पहले अपना उत्पादन महज 17 सौ मेगावाट था, क्योंकि मड़वा के साथ ही कोरबा में भी पांच सौ मेगावाट का संयंत्र बंद था, ऐसे में सेंट्रल सेक्टर से 37 सौ मेगावाट तक बिजली लेनी पड़ रही थी, लेकिन रविवार को पांच सौ मेगावाट के दोनों संयंत्रों के प्रारंभ होने से बड़ी राहत मिली है। रविवार को भी सेंट्रल सेक्टर से 37 सौ मेगावाट बिजली लेने का शेड्यूल था, क्योंकि शेड्यूल एक दिन पहले तय करना पड़ता है। अब सोमवार से सेंट्रल सेक्टर से कम बिजली लेनी पड़ेगी। वैसे इस बार गर्मी में बिजली की खपत का अनुमान 65 सौ मेगावाट से ज्यादा का है। ऐसे में सेंट्रल सेक्टर से चार हजार मेगावाट तक बिजली लेनी पड़ सकती है। गर्मी अब कब प्रारंभ हो जाए, कहा नहीं जा सकता है।

बीते साल गर्मी ने फरवरी से तेवर दिखाए थे,लेकिन इस बार तो गर्मी जनवरी से ही पड़ने लगी। अब तो फरवरी में पारा और चढ़ने लगा है। पारा चढ़ने के कारण बिजली की खपत का भी पारा लगातार चढ़ रहा है। गर्मी बढ़ने के कारण अभी से प्रदेशभर में एसी और कूलर चलने लगे हैं। इसी के साथ कृषि पंप भी चलने के कारण खपत का ग्रॉफ लगातार बढ़ रहा है।

फरवरी में पहली बार इतनी खपत

फरवरी में आमतौर पर बिजली की खपत इतनी नहीं रहती है। कृषि पंपों के कारण खपत पांच हजार मेगावाट के पार जरूर हो जाती है, लेकिन खपत छह हजार मेगावाट तक नहीं जाती है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक पहली बार फरवरी में इतनी ज्यादा खपत हो रही है। इसके पीछे का कारण यह है कि लगातार एसी और कूलर चल रहे हैं, जिसके कारण खपत में इजाफा हो रहा है।

■ पांच सौ मेगावाट की दो यूनिट के वापस प्रारंभ होने से बड़ी राहत

सेंट्रल सेक्टर का सहारा

पॉवर कंपनी के अपने संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है, लेकिन कभी भी उत्पादन सौ फीसदी नहीं होता है। सभी संयंत्रों के चलने पर अपना उत्पादन 25 से 26 सौ मेगावाट तक होता है। रविवार को सभी संयंत्रों के वापस प्रारंभ होने के कारण अपना उत्पादन 22 सौ मेगावाट के आसपास हो रहा था। वैसे यह उत्पादन 25 सौ मेगावाट से ज्यादा हो सकता था, लेकिन रविवार को भी सेंट्रल सेक्टर से 37 सौ मेगावाट बिजली लेने का शेड्यूल तय होने के कारण अपने संयंत्रों से कम बिजली का उत्पादन किया जा रहा था। तय शेड्यूल के मुताबिक ही सेंट्रल सेक्टर से बिजली लेनी पड़ती है। सोमवार से जरूर अपना उत्पादन वापस 25 से 26 सौ मेगावाट तक हो जाएगा। इसके बाद भी खपत ज्यादा होने के कारण सेंट्रल सेक्टर से साढ़े तीन सौ मेगावाट के आसपास बिजली लेनी पड़ेगी।

आपत्तियों और विवाद के चलते मास्टर प्लान में किया जा रहा सुधार

मास्टर प्लान में बरसों की देरी, अब तक 56 शहरों का हुआ तैयार, डंप हो रहे प्रोजेक्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

छत्तीसगढ़ के छोटे शहरों से लेकर बड़े शहरों के विकास के लिए बनाई जाने वाली विकास योजना यानी मास्टर प्लान का हाल बेहाल है। खास बात ये है कि राजधानी रायपुर का मास्टर प्लान तैयार करने के बाद सामने आईं आपत्तियों और विवाद के कारण इसे अब तक लागू नहीं किया जा सका है।

यही हाल कई अन्य शहरों का भी है। खास बात ये है कि मास्टर प्लान जारी न हो पाने से निजी क्षेत्र की छोटी-बड़ी विकास परियोजनाओं के लिए मंजूरी नहीं मिल पा रही है। कई प्रोजेक्ट इसी वजह से शुरू नहीं हो पा रहे हैं। बताया गया है कि राज्य के 56 शहरों का मास्टर प्लान तैयार हो गया है, लेकिन बहुत-सी जगह आपत्तियों और विवाद के कारण इसमें सुधार किया जा रहा है, इस वजह से मास्टर प्लान लागू नहीं हो पाया है।

पुराना समाप्त होने के पहले नया प्लान जरूरी

नगर निवेश के जानकारों की मानें तो किसी भी शहर के लिए बने मास्टर प्लान के पूरे होने के पहले नया मास्टर प्लान बन जाना चाहिए। इसी हिसाब से विकास की गतिविधियां तय होती हैं। बताया गया है कि रायपुर शहर के लिए मास्टर प्लान-2031 लागू करने में पहले से ही चार वर्ष का विलंब हो चुका है। अभी भी यह तय नहीं है कि कब तक इसे लागू किया जाएगा। इसकी वजह से 30 लाख की आबादी के लिए तैयार किए गए प्लान का क्रियान्वयन करने में विलंब हो रहा है, जबकि नियमानुसार पुराने मास्टर प्लान की अवधि समाप्त होने से पहले ही अगला मास्टर प्लान तैयार हो जाना चाहिए।

रायपुर समेत कई शहरों में पेंच

पिछली सरकार के प्लान में मिलीं गड़बड़ियां

रायपुर के नए मास्टर प्लान को लेकर एक बड़ा पेंच ये है कि इसे पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में तैयार किया गया था। इसके बाद आई राज्य की भाजपा सरकार ने इस मास्टर प्लान में कई गड़बड़ियां निकालीं। साथ ही कुछ तकनीकी विवाद भी सामने आए। यही कारण है कि पिछली सरकार के मास्टर प्लान को सुधार की कोशिशों को बाद भी अब तक लागू नहीं किया जा सका है। साथ ही इसकी जांच करने के साथ ही संशोधित प्लान जारी करने के लिए कमेटी भी बनाई गई है। यही नहीं, 2021 तक के लिए जारी किए गए प्लान में भी सैकड़ों कार्य अब तक नहीं हुए हैं।

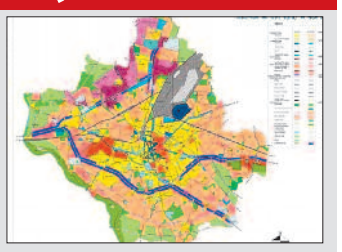

इस साल के लिए इन शहरों का प्लान पूरा करने का लक्ष्य : राज्य के कई शहरों के मास्टर प्लान इस साल यानी 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इनमें खरोरा, फिंगेश्वर, चंपारण, देवकर, मारो, परपोड़ी, छुरिया, मुरमुंदा (कलस्टर) गण्डई, पाली, कटघोरा, पथरिया, गौरेला-पेण्ड्रा, जयरामनगर-मस्तूरी (कलस्टर) घरघोड़ा सरिया, भोपालपट्टनम, नगरगार, विश्रामपुरी, सोनाडीह, रवान, खपराडीह, रिसदा, डौंडीलोहारा, दल्लीराजहरा, गुरूर, सिरपुर (विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण) बोड़ला, कुण्डा (कलस्टर) भटगवां, राजपुर, कुसमी, चंद्रपुर, सारागांव, बलौदा, खरौद, कोतबा, पत्थलगांव, गीदम, बड़े बचेली-किरंदुल, आमदी, दरबा, चारामा, नरहरपुर, सोनहत कलस्टर और भरतपुर शामिल हैं।

प्रकाशित विकास योजनाएं, बन रहे मास्टर प्लान

जिन शहरों का मास्टर प्लान पिछले साल प्रकाशित हो चुका है उनमें तिल्दा-नेवरा, दंतेवाड़ा, अकलतरा, कोटा, दीपका, सहसपुर-लोहारा, सूरजपुर और लखनपुर शामिल हैं। साथ ही जिन शहरों के मास्टर प्लान तैयार करने के लिए काम किया जा रहा है, उनमें गोबरा नवापारा, राजिम, गरियाबंद, मल्हार, तखतपुर, लोरमी, बिल्हा, मरवाही, धमधा, बेरला, साजा, डोंगरगांव, छुईखदान, छुरी, बरमकेला, पुसौर, बस्तर, केसकाल, फरसगांव, बिलाईगढ़, गिरौदपुरी, पलारी लवन, सिमगा, गुण्डरदेही, तुमगांव, भंवरपुर, (कलस्टर) पाण्डातराई, पंडरिया, पिपरिया, बिरकोना (कलस्टर) विश्रामपुर, रघुनाथपुर (कलस्टर) शिवरीनारायण, सक्ती, जेठा, कुनकुरी, बगीचा, कोण्टा, भखारा, मगरलोड, अंतागढ़, बैकुण्ठपुर, मनेंद्रगढ़, शिवपुर चरचा शामिल हैं।

इन शहरों का मास्टर प्लान हुआ अंगीकृत

नगर एवं ग्राम निवेश की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल की स्थिति में प्रदेश में कुल 53 निवेश क्षेत्र की विकास योजनाएं बनाकर 45 विकास योजनाएं अंगीकृत की गई हैं, लेकिन 2025 में बताया जा रहा है कि करीब 56 शहरों की योजनाएं अंगीकृत हो गई हैं। लेकिन इनमें से कई शहरों में विवाद और आपत्तियों के कारण मास्टर प्लान लागू नहीं हो पाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में पिछले साल तक कुल 53 निवेश क्षेत्रों की विकास योजनाएं तैयार की जाकर 45 विकास योजनाएं अंगीकृत गईं, जो कि क्रमशः रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, अटल नगर डेवलपमेंट अथॉरिटी, कोरबा, राजनांदगांव, जगदलपुर, डोंगरगढ़, चांपा, जांजगीर, धमतरी, अंबिकापुर, बालोद, कवर्धा, रायगढ़, आरंग, अभनपुर, बलौदाबाजार, भाटापारा, महासमुंद, अहिवारा, कोण्डागांव, नारायणपुर, कांकेर, रतनपुर, सीपत साडा, मुंगेली, भानुप्रतापपुर, सारंगढ़, जशपुरनगर, बलरामपुर, खरसिया, बेमेतरा, खैरागढ़, सराईपाली, बागबाहरा, बीजापुर, अरपा साडा, कसडोल, थानखम्हरिया, पाटन, पिथौरा, पखांजूर, सुकमा, कुरुद हैं।

भाजपा नेताओं ने सुनी मोदी के मन की बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक प्रसारण मन की बात को रविवार को प्रदेश के भाजपा नेताओं ने सुना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने जगदलपुर में, प्रदेश भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने जगन्नाथ मंदिर, गीतांजलि नगर, रायपुर में कार्यक्रम सुना। इस दौरान रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर व रायपुर के सभी 60 पार्षदों सहित भाजपा के नेता, कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मन की बात का प्रसारण सुनने के बाद कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन विषयों को लेकर जनता की बीच आते हैं, हम सबसे चर्चा करते हैं, वह अद्भुत होता है। न केवल जानकारी, वरन उससे मोटिवेशन भी मिलता है। जिस प्रकार से एआई को लेकर दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बनी है और जिस प्रकार से हेल्थ को लेकर प्रधानमंत्री ने हम सबको प्रेरणा दी है, वह अद्भुत है।

चेरिया बंजारी की सरपंच बनीं तृप्ति

रायपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत अभनपुर के ग्राम पंचायत चेरिया बंजारी में सरपंच पद पर तृप्ति बल्ला तिवारी ने जीत दर्ज की है। उन्हें 477 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंदी को 427 वोट प्राप्त हुए। इस चुनाव में दो ही प्रत्याशी मैदान में थे। इस जीत का श्रेय अपने परिवार एवं समस्त ग्रामवासियों को देते हुए आभार व्यक्त किया है।

■ कुछ पदाधिकारियों को मिल सकता है निगम-मंडल में मौका

किरण देव की नई कार्यकारिणी में नजर आएंगे कई नए चेहरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में एक बार से निगम-मंडलों में नियुक्ति की कवायद प्रारंभ हो गई है। संभावना है कि जल्द ही थोक में नियुक्तियां होंगी। निगम और मंडलों में नियुक्ति के बाद ही भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की नई टीम तय होगी। इस समय प्रदेश की कार्यकारिणी में जो पदाधिकारी हैं, उनमें से कुछ पदाधिकारियों को भी निगम-मंडल में मौका मिलने की संभावना है। इसी के साथ कुछ पदाधिकारी नगरीय निकाय चुनाव में जीतकर महापौर और पालिका अध्यक्ष भी बन गए हैं। इनके स्थान पर भी नए चेहरों को मौका मिलेगा। मोर्चा, प्रकोष्ठ में भी नए चेहरे आएंगे। ज्यादातर मोर्चा-प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और संयोजकों का कार्यकाल भी पूरा होने वाला है। यह बात तय है कि प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी में इस बार कई नए चेहरों को मौका मिलने वाला है।

कई नए चेहरों को मिलेगा मौका

किरण देव के वापस 17 जनवरी को अध्यक्ष बनने के बाद नगरीय निकाय चुनाव का ऐलान हो गया। ऐसे में भाजपा इसमें जुट गई। भाजपा को निकाय चुनाव में ऐतिहासिक सफलता मिली है। इस समय पंचायत चुनाव चल रहे हैं। ये 24 फरवरी तक चलेंगे। इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में प्रदेश संगठन व्यस्त रहेगा। किरण देव की नई कार्यकारिणी को लेकर अगले माह से कवायद प्रारंभ होगी। प्रदेश संगठन की नई कार्यकारिणी में कई बदलाव होने की संभावना है। प्रदेश के एक महामंत्री जगदीश रामू रोहरा धमतरी के महापौर बन गए हैं। इसी तरह से एक उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव राजनांदगांव के महापौर बन गए हैं। जगदलपुर के महापौर संजय पांडेय भी भाजपा की मीडिया टीम का हिस्सा रहे हैं। प्रदेश संगठन के कुछ पदाधिकारियों को निगम, मंडल और आयोग में पद मिलने की भी संभावना है। ऐसे में जिनको दूसरे पद मिलेंगे, उनके स्थान पर कार्यकारिणी में बदलाव होगा। इसी के साथ मोर्चा और प्रकोष्ठ के ज्यादातर चेहरे भी बदल जाएंगे।

निकायों में सभापति-उपाध्यक्षों के चयन को लेकर आज भाजपा की बैठक

■ दावेदारों के नाम लेकर आएंगे पर्यवेक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के नगर निगमों में सभापति, नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों में उपाध्यक्षों के चयन को लेकर प्रदेश भाजपा संगठन की सोमवार को बड़ी बैठक होगी। इसमें सभी पर्यवेक्षकों को बुलाया गया है। उनको दिशा-निर्देश दिए जाएंगे कि क्या-क्या करना है। पर्यवेक्षक जब अपने-अपने जिम्मे वाले निकाय में जाकर वहां से दावेदारों के नाम लेकर आएंगे, तब इस पर संगठन में मंथन के बाद नाम तय किए जाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और नगरीय निकाय चुनाव के प्रदेश प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी ने बताया, सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में नगरीय निकाय चुनाव में नगर निगमों के सभापति और नगरपालिकाओं-नगर पंचायतों में उपाध्यक्ष चुनाव के परिप्रेक्ष्य में एक जरूरी बैठक शाम 4 बजे रखी गई है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष किरण देव चुनाव को लेकर मार्गदर्शन करेंगे। श्री सवन्नी ने बताया, बैठक में संभाग प्रभारी-सहप्रभारी, नगरीय निकाय चुनाव की दृष्टि से जिला प्रभारी-सहप्रभारी, जिला अध्यक्ष, नगर निगमों के संगठन प्रभारी-सहप्रभारी (चुनाव-2025), नगर निगम, नगरपालिका और नगर पंचायत के नियुक्त पर्यवेक्षक और नगरीय निकाय की प्रदेश स्तरीय टीम भाग लेगी।

पानी के लिए निगम ने शासन को भेजा 311 करोड़ रुपए का प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम के योजना शाखा ने जलप्रदाय योजना के तहत पैकेज 6 और 7 को पूरा करने राज्य शासन के पास 311 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव में शहर के आउटर इलाके में पेयजल आपूर्ति के लिए नई पाइपलाइन बिछाने, इंटर कनेक्शन करने का कार्य शामिल है। साथ ही नगर निगम जोन-9 क्षेत्र में अमृत मिशन के तहत लभांडी और फुंडहर में निर्मित नई पानी टंकी को राइजिंग लाइन से जोड़ने और डिस्ट्रीब्यूशन लाइन बिछाने का काम इसमें शामिल है। निगम के पास फंड नहीं होने की वजह से पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड में 2 साल पूर्व निर्मित नई पानी टंकी आज तक शुरू नहीं हो पाई। इस कार्य के लिए 48 करोड़ का प्रस्ताव बनाया गया है।

■ लभांडी, फुंडहर पानी टंकी को राइजिंग लाइन से जोड़ने और डिस्ट्रीब्यूशन लाइन बिछाने का काम शामिल

दरअसल रायपुर नगर निगम के आउटर में स्थित वार्डों तक पीने का साफ पानी पहुंचाने नगर निगम द्वारा पैकेज 6 व 7 तैयार किया गया है। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने हरिभूमि को बताया कि जलप्रदाय योजना के अंतर्गत पैकेज 6 व 7 के लिए राज्य शासन के पास 311 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा गया है। शासन के बजट में इसके लिए राशि प्रावधान करने के बाद नगर निगम के बजट में इस प्रस्ताव को रखा जाएगा। जलप्रदाय योजना अंतर्गत के जोन-9 क्षेत्र स्थित पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड के लभांडी और फुंडहर में 2 साल पूर्व निर्मित पानी टंकी से इंटर कनेक्शन कर राइजिंग लाइन बिछाने के कार्य को भी प्रस्ताव में लिया गया है।

पैकेज 6 और 7 में इन जगहों पर पेयजल पाइप बिछाने का है प्रस्ताव

राजधानी से लगे ग्राम जरवाय, गोगांव, कबीर नगर, सरोना, डीडीनगर, अमलीडीह और चंगोराभाठा में ऐसे क्षेत्र हैं, जहां पीने के पानी के लिए पाइपलाइन नहीं बिछ पाई है, उन छूटे क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने राज्य शासन के पास प्रस्ताव भेजा गया है। बजट में इसकी मंजूरी मिलने पर जलप्रदाय योजना के पैकेज 6 का लंबित काम कराने प्रक्रिया शुरू होगी। इसी तरह पैकेज 7 के तहत लभांडी, फुंडहर, सड्डू, मोवा, कोटा, अमलीडीह, दलदल सिवनी और भाठागांव के छूटे हुए क्षेत्र में पीने के पानी की नई पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव बनाया गया है।

खबर संक्षेप

सिंधी प्रीमियर लीग का आज से शानदार आगाज

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई एवं एसपीएल क्लब की ओर से में क्रिकेट मैच का आयोजन किया जा रहा है। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ और अविनाश माखीजा ने बताया कि रोज 4 मैच खेले जाएंगे। आज शिवा टीम, फैंटम टीम, हिटलर टीम टाटीबंध के बीच मैच खेला जाएगा। प्रत्येक मैच 10 ओवर का होगा। इसमें 140 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। सभी खिलाड़ी सिंधी समाज के हैं, बारह टीमें भाग ले रही हैं, शाम 5 बजे से मैच शुरू होगा। शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि शढ़ाणी दरबार तीर्थ के संत युधिष्ठिर लाल, विशेष अतिथि पार्षद अमर गिदवानी, पार्षद सचिन मेघानी, समाजसेवी सतीश थौरानी होंगे। ऑर्गेनाइजर टीम में ललित जैसिंघ, अविनाश माखीजा, आकाश गजवानी, बंटी चावला, पंकज बजाज, राहुल होतवानी, सुमीत नानवानी आदि की सक्रिय भागीदारी होगी।

विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देकर किया सम्मानित

रायपुर। शासकीय विद्यालय अमलीडीह में बैंक ऑफ बड़ौदा रायपुर अंचल द्वारा स्थापित भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर मेमोरियल ट्रस्ट के तहत विगत शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षा में अनुसूचित जाति, जनजाति संवर्ग से सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता में दो विद्यार्थियों छात्राएं वर्ग से पायल ढीढी एवं छात्र वर्ग से हुमेश कुमार तांडी को 3 हजार-3 हजार की राशि एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विश्व हिंदी दिवस-2025 के अवसर पर विद्यालय में आयोजित विविध हिंदी तात्कालिक भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को भी बैंक ऑफ बड़ौदा रायपुर अंचल के उप महाप्रबंधक डॉ. रमेश कुमार मोहंती द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्राचार्य नितिन तलोकर ने विद्यार्थियों को दिए गए उद्बोधन में कहा, बड़ा लक्ष्य बनाने एवं उसे प्राप्त करने के लिए अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रदर्शन करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा के उप महाप्रबंधक डॉ. आरके मोहंती, मुख्य प्रबंधक नंदिनी छलवानी, सोमेंद्र यादव, सुभाष बोस एवं बलराम उपस्थित थे।

अधिवक्ता सुरक्षा कानून लागू करने की मांग

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा, देशभर में नए अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2025 के विरोध, विभिन्न हाईकोर्ट के बार काउंसिल और राज्यों के अधिवक्ता संघ की ओर से विरोध, प्रदर्शन और हड़ताल के ऐलान के बाद केंद्र सरकार ने संशोधन के मसौदे में बदलाव का ऐलान किया है, जो स्वागतोग्य और अधिवक्ताओं की एकता की जीत है। अधिवक्ताओं के हित में अधिवक्ता सुरक्षा कानून तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने कहा, जानकारी के अनुसार शनिवार को केंद्र सरकार की ओर अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2025 के मसौदे में बदलाव करने का निर्णय लिया है, जिससे अधिवक्ता अपनी प्रस्तावित हड़ताल वापस ले रहे हैं। उन्होंने कहा, वकीलों के हित में एडवोकेट एमेंडमेंट विधेयक पर पुनर्विचार करना अत्यंत आवश्यक था। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार की केंद्रीय विधि मंत्रालय द्वारा 13 फरवरी को सार्वजनिक परामर्श और आम लोगों के लिए सुझाव के लिए मसौदा विधेयक पेश किया था, लेकिन मसौदा के सार्वजनिक होने के बाद इसका देशभर में विरोध शुरू हो गया।

10वीं-12वीं के प्रश्नों पर आपत्तियां, लेकिन नहीं बता पाए इसमें क्या गलतियां? अब स्पष्टीकरण अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं व बारहवीं की परीक्षाएं 15 फरवरी को शुरू हो चुकी हैं। हर साल प्रश्न पत्र को लेकर कई प्रकार की आपत्तियां बोर्ड को भेजी जाती हैं। इस पर बोर्ड ने स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि प्रश्न पत्रों को लेकर भेजी जाने वाली आपत्तियां स्पष्ट हों और समय से भेजी जाएं। निर्देशों में कहा गया है कि प्रश्न पत्रों से संबंधित आपत्तियों को ऑनलाइन एग्जामिनेशन सेंटर मैनेजमेंट सिस्टम (ओईसीएमएस पोर्टल) पर ही अपलोड किया जाए। जारी किए गए दिशा-निर्देशों में सीबीएसई ने कहा है कि किसी को प्रश्न पत्र को लेकर कोई आपत्ति है तो वह समय से भेजें। आपत्ति अस्पष्ट होने पर बोर्ड उस पर कार्रवाई नहीं करेगी।

- छात्र व स्कूल द्वारा भेजी जाने वाली आपत्तियां अस्पष्ट, बोर्ड भी हलाकान

बोर्ड ने कहा कि बीते वर्षों में प्रश्न पत्र को लेकर कई ऐसी टिप्पणियां भेजी गई जो अस्पष्ट थीं। उदाहरण के लिए आपत्ति में कहा जाता है कि प्रश्न सही नहीं है, लेकिन प्रश्न में जो कौन से तथ्य सही नहीं है, उसका उल्लेख नहीं किया जाता। स्कूल आमतौर पर विभिन्न ईमेल आईडी पर टिप्पणियां भेजते हैं जो इस उद्देश्य के लिए नहीं होती हैं। विषय की परीक्षा आयोजित होने के कई दिनों बाद टिप्पणियां भेजी जाती हैं। उन्हें परीक्षा के आयोजन के दिन ही भेजने के लिए सीबीएसई ने निर्देश दिए हैं।

ऑनलाइन एग्जामिनेशन सेंटर मैनेजमेंट सिस्टम पर ही अपलोड की जा सकेंगी दावा-आपत्तियां

व्हॉट्सऐप पर फिर शेयर हुए पेपर लीक के वीडियो

सीबीएसई की परीक्षाएं प्रारंभ होने के साथ ही पर्चे लीक होने की खबरें भी वायरल होनी प्रारंभ हो गई हैं। कक्षा 10वीं के हिन्दुस्तानी म्यूजिक के पेपर के पहले सोशल मीडिया पर 'सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 पेपर आउट' का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों द्वारा इसे सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ व्हॉट्सऐप ग्रुप पर शेयर किया जाने लगा। सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षा 2025 के पेपर लीक होने के दावों को खारिज कर दिया है। बोर्ड ने कहा कि 'सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 पेपर आउट' का यह वीडियो निराधार है और यह छात्रों और अभिभावकों के बीच अनावश्यक दहशत पैदा करने के इरादे से किया गया है।

गलत सूचनाओं की निगरानी

सीबीएसई ने कहा, बोर्ड ने परीक्षाओं के सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की है। बोर्ड के संज्ञान में आया है कि कुछ बेईमान तत्व यूट्यूब, फेसबुक, एक्स और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पेपर लीक या 2025 परीक्षा के प्रश्नपत्रों तक पहुंच का दावा करने के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं। बोर्ड ने कहा कि वह गलत सूचना फैलाने वालों पर सक्रियता से निगरानी कर रहा है और उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। सीबीएसई ने कहा, बोर्ड इन अपराधियों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। ऐसी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले छात्रों को सीबीएसई के अनुचित व्यवहार नियमों और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत परिणाम भुगतने होंगे।

सरकारी संस्थानों में उपयुक्त स्थल और आवश्यक स्टाफ की समस्या भी आ रही

राज्य में टार्गेट से पीछे रह गए जनऔषधि केंद्र, मार्च अंत तक 200 होना मुश्किल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आम जनता को सस्ते में दवा दिलाने सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र खोलने की योजना लक्ष्य से पीछे हो गई है। विभिन्न व्यस्तताओं के कारण गणतंत्र दिवस तक राज्य में इनकी संख्या सवा सौ के आसपास ही पहुंच सकी, जबकि टार्गेट 151 का था। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में इसे शुरू करने उपयुक्त स्थल और आवश्यक स्टाफ की दिक्कतें आ रही हैं। इसकी वजह से मार्च अंत तक इसकी संख्या 200 तक पहुंचना मुश्किल है।

हरिभूमि सरोकार

राज्य में अभी धन्वंतरी योजना के तहत लोगों को सस्ते दामों में आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस योजना में दवा दुकानों में ब्रांडेड कंपनियों की जेनेरिक दवा मिलती है, इसकी वजह से इनके दाम अलग-अलग होते हैं और उसकी उपलब्धता में भी भिन्नता होती है। प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र में दवा की बिक्री मॉलीक्यूल आधार पर होती है, इसके लिए सभी दुकानों में कीमतों में एकरुपता होती है। छत्तीसगढ़ में जनऔषधि केंद्रों को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया था, इसके तहत निष्क्रिय हो चुकी दुकानों को पुनः क्रियाशील करने के साथ सभी सरकारी अस्पतालों स्वास्थ्य केंद्रों में इसकी शुरुआत करने का लक्ष्य रखा गया था। सुशासन दिवस पर महीनेभर के भीतर यानी गणतंत्र दिवस पर इनकी संख्या 119 से बढ़ाकर डेढ़ सौ करनी थी, मगर आंकड़ा सवा सौ से आगे नहीं बढ़ पाया। अब अगला टार्गेट 31 मार्च तक संख्या 200 का है, विभिन्न व्यस्तताओं के कारण इसका पूरा होना भी मुश्किल माना जा रहा है।

छवि सुधारने की कोशिश

पिछली सरकारी की उदासीनता और धन्वंतरी योजना को बढ़ावा देने की वजह 70 से 90 फीसदी सस्ती दवाओं की दुकानों में ताले लगने शुरू हो गए थे। राज्य में भाजपा सरकार की वापसी के बाद इस योजना को पुनः बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत बंद हुई दुकानों को पुनः प्रारंभ करने के सात इनकी संख्या बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। योजना के तहत जनऔषधि केंद्र खोलने सरकारी अस्पतालों के साथ सहकारी संस्थाओं की मदद भी ली जा रही है।

दवाओं के साथ इंसुलिन का स्टॉक

प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र में आवश्यक दवाओं का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में करने के साथ विभिन्न तरह के इंसुलिन और सर्जिकल आयटम हमेशा उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे हैं। जरूरी दवा की डिमांड पर चौबीस घंटे इनकी उपलब्धता कराने का सिस्टम बनाया जा रहा है। जनऔषधि केंद्र में करीब डेढ़ हजार आवश्यक दवाओं की सूची में से 90 फीसदी का स्टाक रखा जाएगा।

नौ साल पुरानी योजना

राज्य में प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्रों की शुरुआत वर्ष 2016 में 254 दुकानों के साथ की गई थी। शुरुआत में बेहतर रिस्पांस नहीं मिलने की वजह से इसकी संख्या कम होती चली गई। भाजपा सरकार की वापसी के बाद जनऔषधि केंद्रों की संख्या पचास के पार हुई थी और अब संख्या डेढ़ सौ के आसपास पहुंच गई है। आने वाले दिनों में इनकी संख्या में और वृद्धि किए जाने का प्रयास चल रहा है।

डॉ. रमन बोले- पार्षद बनना, ठेकेदार नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वार्ड पार्षद के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रायपुर नगर निगम के नवनिर्वाचित पार्षदों को नसीहत दी कि पार्षद बनना, ठेकेदार नहीं। वे स्वयं भी ठेकेदार बनते तो आज क्लास वन ठेकेदार होते, लेकिन वो सम्मान नहीं मिलता, जो आज उन्हें मिलता है। महाराष्ट्र मंडल ने रायपुर नगर निगम की नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे और 52 पार्षदों का गरिमामय समारोह में अभिनंदन किया। समारोह को बतौर मुख्य अतिथि डॉ. रमन सिंह संबोधित कर रहे थे। स्पीकर डॉ. रमन ने कहा कि पार्षद से लेकर अब तक के अपने सफर के अनुभव से वे कह सकते हैं कि सर्वाधिक कठिन चुनाव पार्षद का होता है। अगर आप पार्षद बन सकते हैं तो कुछ भी बन सकते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत मिले सुर हमारा ग्रुप की ओर से राजगीत गायन के साथ हुई।

महापौर ने वोट लिया या दान : डॉ. रमन ने नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे के जीत के अंतर पर चुटकी लेते हुए कहा कि नई महापौर ब्राह्मण है और राज्य में सर्वाधिक 151111 मतों से जीती हैं। उनके जीत के अंतर को देखकर समझ नहीं आता कि उन्होंने लोगों से वोट मांगे हैं या दक्षिणा।

15 साल के वनवास के बाद लौटे हैं 'सीता मां' को लेकर

अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता कर रहे रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत ने कहा कि भगवान राम 14 बरस के वनवास के बाद लौटे थे। हम 15 साल के वनवास के बाद सीता मां को लेकर लौटे हैं। श्री मूणत ने आश्वस्त किया कि महाराष्ट्र मंडल अब इतनी बड़ी संस्था हो गई है कि उसे कुछ मांगने की जरूरत नहीं है। रही रायपुर में वीर सावरकर की प्रतिमा लगाने की मांग की, तो मैं आश्वस्त करता हूं कि वो तो हम लगाएंगे ही।

अंतिम संस्कार निशुल्क कराने होगी पहल : मीनल

मंडल अध्यक्ष अजय मधुकर काले की मांग पर महापौर मीनल चौबे ने कहा कि रायपुर शहर के मुक्तिधामों में अंतिम संस्कार की व्यवस्था नगर निगम की ओर से कैसे संभव हो सकेगी, इस पर वे जरूर काम करेंगी। कार्यक्रम का संचालन सचिव चेतन दंडवते और आभार प्रदर्शन सचेतक रविंद्र ठेंगड़ी ने किया। इस दौरान महापौर मीनल चौबे समेत भाजपा के सभी नवनिर्वाचित पार्षदों का सम्मान किया गया।

बिजनेस साइट

बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक संजय विनायक मुदालियर रायपुर प्रवास पर

रायपुर। भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक संजय विनायक मुदालियर, 24 और 25 फरवरी को रायपुर अंचल के दौरे पर रहेंगे। अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान श्री मुदालियर बैंक की नई शाखा धमधा का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वे अंचल के ग्राहकों से मिलकर बैंक की ग्राहक सेवा को और बेहतर बनाने पर चर्चा करेंगे। श्री मुदालियर अंचल के स्टाफ के साथ टाउनहॉल में मीटिंग करेंगे और छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न उच्चाधिकारियों तथा पदाधिकारियों से मुलाकात कर राज्य के विकास में बैंक के योगदान को बढ़ाने के लिए संभावनाओं पर विचार करेंगे। साथ ही वे अंचल के सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों और कार्यालय स्टाफ के साथ समीक्षा बैठक करेंगे एवं बैंक के उत्कृष्ट कार्यकर्ता, स्टाफ को सम्मानित भी करेंगे।

आंखों के बड़े अस्पताल का सपना अधूरा, घोषणा से आगे नहीं बढ़ पाया रीजनल आई इंस्टीट्यूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सरकारी स्तर पर प्रदेश को आंखों की तमाम तरह की बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए रीजनल आई इंस्टीट्यूट अब तक सपना बना हुआ है। आंखों के इस बड़े अस्पताल के लिए नेत्र चिकित्सक सहित 61 पद स्वीकृत किए गए हैं, मगर अब तक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। आई इंस्टीटयूट बनाने माना अस्पताल को चिन्हित किया गया था, जहां केवल मोतियाबिंद की सर्जरी कर औपचारिकता पूरी की जा रही है।

- नेत्र चिकित्सकों सहित 61 पद स्वीकृत, भर्ती प्रक्रिया अब तक नहीं

प्रदेश में आंखों की बीमारी के लिए कोई बड़ा सरकारी अस्पताल नहीं है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा माना के सिविल अस्पताल के एक हिस्से में क्षेत्रीय नेत्र संस्थान बनाने की योजना बनाई थी। जरूरत को ध्यान में रखते हुए आनन-फानन इसके लिए सेटअप स्वीकृत किया गया और निर्माण के लिए पहली किश्त को मंजूरी दी गई। इससे मार्डन ऑपरेशन थियेटर सहित अन्य जरूरी उपकरण खरीदने की योजना बनाई गई थी। पहली किस्त को मंजूरी मिली, इसके बाद विभागीय तौर पर सालभर से ज्यादा वक्त बीतने के बाद भी इस पर अब तक कोई काम नहीं हो पाया है। रायपुर मेडिकल कालेज के नेत्र विभाग में उपचार की सुविधा काफी सीमित है और यहां के उपकरण काफी पुराने हैं। इसकी वजह से आंखों की किसी भी तरह की बड़ी बीमारी के इलाज के लिए मरीजों के निजी सेक्टर में जाकर पैसे खर्च करना मजबूरी हो चुकी है।

सरकारी अस्पताल में बिगड़ रहे केस

प्रदेश में कोविड के बाद प्रदेश को मोतियाबिंद अंधत्व मुक्त करने का लक्ष्य बनाया गया था। इस लक्ष्य के लिए निजी अस्पतालों में बड़ी संख्या में सर्जरी हो रही है और सरकारी सेक्टर पिछड़ने लगे है। सूत्रों का कहना है कि जिला अस्पतालों में किए जाने वाले मोतियाबिंद की सर्जरी के दौरान केस बिगड़ रहे हैं, जिसकी वजह से भी लोगों का सरकारी अस्पतालों से मोहभंग हो रहा है। दंतेवाड़ा के बाद कोरिया जिले में हुई मोतियाबिंद सरकारी अस्पताल में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद मरीजों की आंखों में संक्रमण हो गया था और उन्हें इलाज के लिए रायपुर भेजना पड़ गया था।

शहर से दूर इसलिए भी कम फायदा

माना का सिविल अस्पताल अपने आसपास रहने वाले मरीजों को विभिन्न तरह की बीमारियों के उपचार की सुविधा प्रदान कर रहा है, मगर मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए शहर के मरीज वहां तक का लंबा सफर तय करने में परहेज कर रहे हैं। प्रारंभिक दौर में जिला अस्पताल से मरीजों को ऑपरेशन के लिए वहां तक ले जाने के लिए वाहनों की सुविधा दी गई थी। बाद में इसे बंद कर दिया, जिसकी वजह से करीब 10 किलोमीटर दूर जाकर मोतियाबिंद की सर्जरी कराने वाले कम हो गए।

पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ 2 मार्च को आएंगे राजधानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

देश के सुप्रसिद्ध विचारक और इनफ्लुएंसर, राष्ट्रध्वज रक्षक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ का राजधानी रायपुर में आगमन हो रहा है। वे आगामी 2 मार्च रविवार को दोपहर 4 बजे साइंस कॉलेज के पास स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में राष्ट्र गौरव के लिए जनजागरण कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

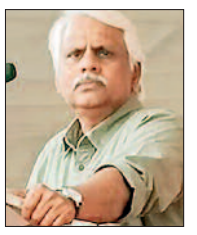

कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्र प्रथम संस्था करने जा रही है। कार्यक्रम के संयोजक तुषार शाह ने बताया कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के सभी समाज प्रमुखों, नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर समाज प्रमुखों का सम्मान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। उसके बाद देश के सुप्रसिद्ध विचारक पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ का सनातन और भारत विषय पर उद्बोधन होगा। पुष्पेंद्र ने देशभर में आयोजित कई कार्यक्रमों में शिरकत की है तथा सनातन और राष्ट्र के विषय पर बोलकर हिंदुओं को जागरूक करते हैं।

पेज 09 के शेष ...

शहर का अनोखा...

से जूझते मिले। दिलचस्प बात ये भी है कि रेलवे छत्तीसगढ़ के 17 बड़े स्टेशनों को पुनः विकसित करने 2700 करोड़ रुपए की लागत से 'अमृत भारत स्टेशन योजना' चला रहा है, लेकिन छोटे स्टेशनों की हालत जस के तस बनी हुई है। बता दें कि इन दोनों स्टेशनों पर रोजाना 500 से ज्यादा यात्रियों की आवाजाही होती है। स्टेशन निर्माण के बाद से पीने के लिए पानी का कनेक्शन स्टेशन तक नहीं पहुंचा है। **सरस्वती नगर में नल कनेक्शन तक नहीं :** रायपुर के सरस्वती नगर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को असुविधाओं से दो-चार होना पड़ रहा है। मुख्य स्टेशन से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस स्टेशन पर सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक लोकल ट्रेनें रुकती हैं और यहां प्रतिदिन 500 से अधिक यात्रियों की आवाजाही होती है। बावजूद इसके इस स्टेशन पर पीने के पानी की सबसे बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध नहीं है, क्योंकि रेलवे ने यहां नल कनेक्शन तक नहीं दिया है। इस कारण यात्रियों को प्यास बुझाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। पंखे की सुविधा भी नहीं है। शौचालय भी नहीं है। यात्रियों को खुले में शौच जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। रेलवे ने यहां नए वेटिंग रूम और शौचालय का निर्माण जरूर किया है, लेकिन दो साल से यहां ताला लटका हुआ है। गर्मी के मौसम में यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी।

स्टेशनों से रेलवे को...

रेलवे को लगातार टिकट किराए के रूप में कई सालों कमाई हो रही है, इसके बावजूद वर्षों से इन स्टेशनों पर बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी बनी हुई है। यात्रियों को पानी, पंखे, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं न मिलने के कारण उन्हें हर दिन असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। यात्रियों का कहना है कि इन स्टेशनों से होने वाली कमाई का एक हिस्सा सुविधाएं प्रदान करने में लगाना चाहिए, ताकि यात्रियों को यात्रा के दौरान कम से कम आराम और राहत मिल सके।

शराब की जितनी...

ग्राहकों को शराब दुकान के सेल्समैन द्वारा अनलिमिटेड उपलब्ध कराई जाने लगी। एक सेल्समैन ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ऊपर से मौखिक निर्देश मिलने के बाद ग्राहकों को अनलिमिटेड शराब बेची जा रही है।

तापमान कम फिर...

तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। पिछले चौबीस में राज्य में सबसे अधिक तापमान दंतेवाड़ा 34.2 डिग्री दर्ज किया गया और सबसे कम पारा 13.0 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर का रिकार्ड किया गया।

290 महीने से...

किसी तरह का नियम निर्धारित नहीं हो पाया है। एयरपोर्ट प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों का तर्क है कि इस एयरक्रॉफ्ट से संबंधित कोई भी निर्णय मुख्यालय स्तर पर लिया जाना है। सूत्रों का कहना है कि किए जाने वाले ई-मेल और संपर्कों का किसी तरह के पॉजिटिव रिस्पांस नहीं मिलने की वजह से विमान की देखरेख तथा उस पर खर्च बंद कर दिया गया है। उसे विमानतल के उस हिस्से में खड़ा कर दिया गया है, जहां विमान तो दूर सामान्य लोगों की आवाजाही भी नहीं होती। लंबे समय से एक ही स्थान पर खड़े होने की वजह से यह बड़े कबाड़ के रूप में तब्दील हो चुका है और इसके उड़ान भरने की उम्मीद भी नहीं है। शुरुआत के तीन साल तक इसकी वापसी की उम्मीद थी। इसके बाद विमानन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जवाब देना भी बंद कर दिया था। कोरोना के पहले विमान बेचकर किराया चुकाने का आश्वासन उनकी तरफ से दिया गया, फिर इस मसले में भी चुप्पी साध ली गई थी।

नाबालिग बेटे और...

नाबालिग बेटे और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने एक लाख 80 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवर जब्त किए है। पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, उन्होंने वर्ष 2024 में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस के मुताबिक, अहिल्या बाई अपने बेटे को अपने दोस्त के साथ मिलकर चोरी करने उकसाती थी। अहिल्या बाई के बेटे तथा उसके दोस्त के खिलाफ पूर्व में भी अलग-अलग थानों में मारपीट, चोरी तथा लूट के अपराध दर्ज हैं।

HEALTH TOWN
अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभात टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
• सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
• ऑपरेशन द्वारा ईलाज
• नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
• टेढ़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन
ओम डेन्टल हॉस्पिटल (अब नई जगह)
• दर्द रहित रूट कैनाल ट्रीटमेंट (RCT) • टेढ़े मेढ़े दांतो का इलाज (INVISALIGN) Clear Aligners द्वारा
• डेंटल इम्पलांट (Dental Implants) • Smile Designing • दांतो की Bleaching
• मसूड़ों की बीमारी • अक्ल दाढ़ निकालना
117, मेन रोड समता कालोनी, पंजाब नेशनल बैंक के सामने, रायपुर 0771-4064222, 8305948040
जीवन ज्योति होम्योपैथी क्लीनिक
17 वर्षों से आपके सेवा में
रोग निदान
• महिला संबंधी रोग : अनियमित मासिक धर्म, पी.सी.ओ.डी.
• अस्थि रोग : अर्थाइटिस, सायटिका फ्रोजन सोल्डर, स्पॉडिलाइटिस
• पुरूष संबंधित रोग : कमजोरी, हाइड्रोसील, नाक, कान, गला व श्वास संबंधित रोग
• चर्म रोग : एक्जीमा, सोरिएसिस, सफेद दाग, शरीर में गठान, मस्से, झाइ
• पाचन संबंधी रोग : एसीडिटी, अल्सर, बवासीर, कब्ज
• किडनी एवं हृदय रोग : पथरी, यूरीन इंफेक्शन, बीपी
• शिशु रोग : सर्दी, खांसी, बुखार
• स्नायू (वर्व) रोग : मिर्गी, माइग्रेन, पैरालाईसीस
• केश रोग : बालो का झड़ना, रूसी, एलोपेसिया,
सुगर, थाईराइड, मोटापा, मानसिक रोग, तनाव, चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन, नींद की बिमारी
डॉ. रंजीता जायसवाल
BHMS. (BHOPAL)
Ex. RMO Maharana Pratap Homoeopathic College & Hospital Raipur (C.G)
अपॉइंटमेंट हेतु कॉल करें
84351-99964
शॉप नं. 5, शुभम विला अपार्टमेंट, मेनरोड, न्यू राजेन्द्र नगर मेडिशाइन हॉस्पिटल के पास, रायपुर
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

उत्तरपुस्तिका जांच रहे प्राध्यापकों में 80% निजी कॉलेज के, शासकीय महाविद्यालयों की तौबा, रविवि की फटकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

लाखों की तनख्वाह प्राप्त कर रहे शासकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को छात्रों की उत्तरपुस्तिकाएं जांचने में विशेष दिलचस्पी नहीं है। उत्तरपुस्तिकाएं जांच रहे प्राध्यापकों में से 80% निजी महाविद्यालयों के हैं। केवल 20% प्राध्यापक ही ऐसे हैं, जो शासकीय महाविद्यालयों में सेवारत हैं। ये आंकड़ें पं.रविशंकर शुक्ल विवि ने बीते दिनों हुई प्राचार्यों की बैठक में पेश किए। रविवि द्वारा बीते शैक्षणिक सत्र से केंद्रीय मूल्यांकन प्रारंभ किया गया है।

केंद्रीकृत मूल्यांकन होने के कारण शासकीय महाविद्यालय के प्राध्यापक नहीं दिखा रहे दिलचस्पी

कम राशि भी बड़ी वजह

उत्तरपुस्तिकाएं घर ले जाने की सुविधा समाप्त किए जाने के बाद शासकीय महाविद्यालय के प्राध्यापक केंद्र पहुंचकर कॉपियां नहीं जांचना चाह रहे हैं। रविवि द्वारा उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन के लिए पैटर्न आधार पर 15 व 25 रूपए दिए जाते हैं। वार्षिक पद्धति से होने वाली परीक्षाओं में सवाल अपेक्षाकृत कम होने के कारण इसकी कॉपियां जांचने पर 15 रुपए दिए जाते हैं। सेमेस्टर पद्धति में नए पैटर्न से होने वाली परीक्षाओं में अधिक सवाल पूछे जाते हैं, ऐसे में इसके लिए 25 रुपए दिए जाने का प्रावधान है। रविवि द्वारा इस राशि में वृद्धि शैक्षणिक सत्र 2016-17 में की गई थी। इसके पूर्व 10 रुपए प्रति कॉपी प्रदान किए जाते थे। अधिकतर शासकीय प्राध्यापकों का वेतन लाखों में होता है। ऐसे में इतनी कम राशि के लिए रविवि अध्ययनशाला पहुंचकर कॉपियां जांचने में वे आनाकानी कर रहे हैं। मूल्यांकन केंद्र में प्राध्यापकों को 30-30 कॉपियों का एक बंडल दिया जाता है।

निजी महाविद्यालयों के भरोसे मूल्यांकन

रविवि द्वारा सेमेस्टर परीक्षाएं जनवरी-फरवरी में आयोजित की गईं। शुरुआती परीक्षाओं के साथ ही मूल्यांकन कार्य प्रारंभ कर दिया गया था। रविवि की वार्षिक परीक्षाएं मार्च में आयोजित की जाएंगी। इसमें भी शुरुआती पर्चों के बाद मूल्यांकन शुरू कर दिया जाएगा। प्राइवेट कॉलेज एसोसिएशन के सचिव डॉ.देवाशीष मुखर्जी ने रविवि द्वारा पेश किए आंकड़ें को निजी महाविद्यालयों के लिए उत्साहजनक बताते हुए कहा, सेमेस्टर परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य में भी 80:20 का अनुपात है। हम अपने प्राध्यापकों को मूल्यांकन कार्य के लिए आवश्यक अवकाश भी प्रदान कर रहे हैं ताकि परीक्षा कार्य में सहयोग मिल

प्राध्यापक अब उत्तरपुस्तिकाएं अपने घर अथवा महाविद्यालय नहीं ले जा सकते हैं। इसके स्थान पर रविवि अध्ययनशाला में बनाए गए केंद्र में आकर ही उन्हें मूल्यांकन कार्य करना होता है।

केंद्रीकृत मूल्यांकन ना होने की स्थिति में दूसरे जिलों में भी उत्तरपुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए भेजी जाती थीं। दूसरे जिले के प्राध्यापकों के लिए राजधानी आकर कॉपियां जांचना अपेक्षाकृत जटिल होता है। मूल्यांकन कार्य में हिस्सा नहीं लेने की एक वजह यह भी है। पिछले सप्ताह परीक्षा और मूल्यांकन कार्य को लेकर रविवि ने प्राचार्यों की बैठक आयोजित की थी। इस बैठक में रविवि ने शासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के मूल्यांकन में हिस्सा नहीं लेने को नाराजगी भी जाहिर की थी।

खबर संक्षेप

नवा रायपुर में होगी नई साइंस सिटी की स्थापना

रायपुर। नवा रायपुर में प्रस्तावित साइंस सिटी को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बैठक ली। देश की छठवीं साइंस सिटी की स्थापना नवा रायपुर में की जाएगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग रेणु जी. पिल्लई, डायरेक्टर जनरल सीआरएससी डॉ. एस. कर्मकार के सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस दौरान साइंस सिटी की अवधारणा, उसके उद्देश्यों, समाज पर प्रभाव, आर्थिक संभावनाओं और परियोजना के क्रियान्वयन की विस्तृत योजना पर चर्चा की गई।

ग्रामीण स्तरीय व्हॉलीबॉल स्पर्धा में खम्हरिया विजेता

रायपुर। ग्राम पथरी-खुड़मुड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नदृष्टा डॉ खूबचंद बघेल की पुण्य स्मृति के अवसर पर एक दिवसीय ग्रामीण व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 22 फरवरी को किया गया। प्रतियोगिता में बिलासपुर खम्हरिया, कुरकुट्टी, सड्डू, ओटागन, उरकुरा, मोवा, महादेवघाट, कोनारी, कुथरौद, पथरी, देवरी, छपोरा की टीमों ने भाग लिया। प्रथम खम्हरिया, द्वितीय कुरकुट्टी, तृतीय बिलासपुर, पथरी चतुर्थ पर रहे, आयोजन में सहयोग सरपंच कल्याणी बुलाकी आडिल, कुंजबिहारी वर्मा, हरीश आडिल, शेष नारायण बघेल, रुपेश बघेल, दादू आडिल, शेखर वर्मा, मुकेश वर्मा, राजेश ध्रुव, चेतन वर्मा, अमन वर्मा का रहा और विशेष सहयोग जायसवाल निको इंडस्ट्रीज का रहा।

आदिवासी समाज के आराध्यदेव का अभिषेक पूजन 26 को

रायपुर। महाशिवरात्रि पर्व पर आदिवासियों के आराध्यदेव के नाम से बने गोंडवाना भवन टिकरापारा प्रांगण में स्थापित बुढ़ादेव का 26 फरवरी को अभिषेक पूजन कार्यक्रम क्षेत्रीय गोंड़ समाज कल्याण समिति, आदिवासी समाज के प्रमुखों द्वारा रखा गया है। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा।

नगालैंड, धीमापुर जू से ला रहे दो हिमालयन भालू में से एक ही पहुंचा

हिमालयन भालू ने रास्ते में तोड़ा दम, जंगल सफारी में 15 दिनों में सात साही की मौत भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

जंगल से रेस्क्यू कर लाए गए असहाय तथा कमजोर वन्यजीवों के लिए जंगल सफारी कब्रगाह साबित हो रहा है। पिछले वर्ष अगस्त-सितंबर माह में 35 काले हिरणों तथा दो माउस डियर की मौत की घटना के बाद अब सफारी में नगालैंड स्थित धीमापुर जू से लाए गए दो हिमालयन भालू में से एक ने दम तोड़ दिया। साथ ही पिछले 15 दिनों में जंगल सफारी में सात साही की अज्ञात कारणों से मौत की बात की भी सूचना आ रही है। साही की मौत किन परिस्थितियों में हुई है, अफसर पूरे मामले की जांच के बाद कुछ बता पाने की बात कह रहे हैं। वन्यजीवों के एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत सफारी प्रबंधन ने नगालैंड धीमापुर जू में पांच चीतल तथा दो काले हिरण देने के बदले दो हिमालयन भालू लाने का फैसला लिया था। चीतल तथा काले हिरण को जंगल सफारी की जू की गाड़ी से नगालैंड रवाना किया गया। जिस गाड़ी को जंगल सफारी प्रबंधन ने वन्यजीव पहुंचाने के लिए भेजा था, उसी गाड़ी में हिमालयन भालू को लेकर रायपुर लौट रहे थे। इस दौरान एकर हिमालयन भालू ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

ये कैसी अदला-बदली, दुर्लभ सफेद भालू के बदले अंबानी के जू से लाएंगे जेब्रा

जंगल सफारी में नागालैंड जू के दो हिमालयन भालू बने नए मेहमान

सात साही की मौत भी

हिमालयन भालू की मौत के एक पखवाड़े पूर्व से एक-एक कर सात साही की मौत की घटना सामने आई है। साही की मौत किन कारणों से हुई है। सीसीएफ वाइल्ड लाइफ ने जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ बता पाने की बात कही। हिमालयन भालू के साथ ही साही का पोस्टमार्टम जंगल सफारी में किया गया। दोनों वन्यजीवों की मौत की जानकारी सफारी प्रबंधन ने सफारी से बाहर आने रोकने की हरसंभव कोशिश की।

मौत सवालों के घेरे में

अफसर के अनुसार, रास्ते में हिमालयन भालू की मौत का कारण जांच के नाम पर वाहन को घंटों रोकना है। हिमालयन भालू को विभागीय डॉक्टर के साथ वनकर्मियों की टीम ला रही थी। ऐसे में सीजेडए के लेटर के साथ ही धीमापुर जू प्रबंधन ने अपने जू से हिमालयन भालू जंगल सफारी भेजे जाने अनुमति पत्र दिया होगा। फिर भी हिमालयन भालू ला रहे वाहन को घंटों रोक जांच किए जाने की बात सवालों के घेरे में है।

रास्ते में करते हैं स्वास्थ्य जांच

वन्यजीवों को एक जू से दूसरे जू एक्सचेंज किए जाने की स्थिति में रास्ते में स्वास्थ्य परीक्षण तथा उनके लिए पानी, खाने की व्यवस्था की जाती है। साथ ही एक निश्चित दूरी तय करने के बाद वन्यजीवों को आराम दिया जाता है। ऐसे में हिमालयन भालू का रास्ते में स्वास्थ्य परीक्षण ही नहीं किया गया। इस वजह से वन्यजीव चिकित्सक को भालू के बीमार होने की जानकारी नहीं मिली और उसकी रास्ते में ही मौत हो गई।

वन्यजीव प्रेमियों में आक्रोश

हिमालयन भालू के साथ ही सफारी में सात साही की मौत की घटना के बाद वन्यजीव प्रेमी आक्रोशित हैं। वन्यजीव प्रेमी नितिन सिंघवी सहित अन्य ने आरोप लगाया है कि डॉक्टरों की लापरवाही के चलते सब एडल्ट मादा बायसन की गुरु घासीदास नेशनल पार्क पहुंचने से पहले मौत हो गई। वन्यजीव प्रेमियों ने जंगल सफारी, कानन पेंडारी से सफेद भालू सहित सभी वन्यप्राणियों के एक्सचेंज प्रोग्राम पर रोक लगाने के साथ ही दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दावा- जगह-जगह जांच के लिए रोका गर्मी से हुई मौत

हिमालयन भालू की मौत के कारणों का पता लगाने हरिभूमि की टीम ने सीसीएफ वाइल्ड लाइफ सतोविशा समाजदार से संपर्क किया तो उनका कहना है कि पश्चिम बंगाल में जगह-जगह गाड़ी को रोककर जांच की गई। ऐसे में हिमालयन भालू की गर्मी के कारण मौत हो गई। अफसर के अनुसार वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो ने पश्चिम बंगाल से वन्यजीवों की तस्करी होने की जानकारी दी थी। इस वजह से स्थानीय वन विभाग के अफसर गाड़ियों को रोककर जांच कर रहे थे। इसके चलते हिमालयन भालू ला रहा वाहन घंटों फंसा रहा। गर्मी के कारण हिमालयन भालू की मौत होने की जानकारी वन अफसर ने दी है।

प्रकृति परीक्षण अभियान में छत्तीसगढ़ तीसरा मुंबई में हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आयुष मंत्रालय के निर्देश पर चलाए जा रहे प्रकृति परीक्षण अभियान में अधिक लोगों की जांच कर छत्तीसगढ़ तीसरे स्थान पर है। अभियान के प्रथम चरण का समापन समारोह में केंद्रीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव द्वारा इसके लिए प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर राज्य समन्वयक डा. संजय शुक्ला को सम्मानित किया गया।

प्रथम चरण के अभियान का समापन समारोह मुंबई के जहांगीर भाभा थियेटर में आयोजित किया गया। पहले चरण के अभियान के अंतर्गत पूरे देश में 1 करोड़ 29 लाख से अधिक नागरिकों का प्रकृति परीक्षण किया गया। संचालनालय आयुष छत्तीसगढ़ के निर्देशन में 3551 वालिंटियर्स द्वारा 4 लाख 45 हजार से अधिक नागरिकों का प्रकृति परीक्षण कर देश में नौवां स्थान हासिल किया है। राज्यवार आंकड़ों पर गौर करें तो छत्तीसगढ़ ने बिहार, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, प. बंगाल, तेलंगाना, उत्तराखंड, झारखंड, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। प्रकृति परीक्षण अभियान के तहत 5 गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस बने हैं, जिसके लिए केंद्रीय आयुष मंत्री को सर्टिफिकेट भी भेंट किया गया। इस अवसर पर तीन आयुर्वेद चिकित्सकों और शिक्षाविदों को धन्वंतरी अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आरोग्य और व्यक्तिगत स्वास्थ्य की दिशा में प्रकृति परीक्षण के महत्व को देखते हुए यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

शहरी गरीबों को आरडीए 7 साल में नहीं दे पाया पजेशन, सिर्फ फाइलों में रीकंट्रक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहरी गरीबों को आशियाना देने का मसौदा अभी तक निर्माण का हिस्सा बना हुआ है। बोरियाखुर्द में 524 लोगों को स्वतंत्र ईडब्ल्यूएस मकान देने के लिए बुकिंग प्रक्रिया के बाद लोगों ने मकान का पैसा फाइनेंस कराया। इसके बाद से लोग बैंक की किस्तें चुका रहे हैं, लेकिन उन्हें अशियाना नहीं मिला। कुछ ऐसे ही हालात टिकरापारा में हैं, जहां 53 साल पुरानी 96 कॉलोनी जर्जर स्थिति में हैं। इसके बाद भी रीकंट्रक्शन की प्रक्रिया फाइलों में घूम रही है। इससे दोनों प्रोजेक्ट से करीब सात सौ परिवार प्रभावित हैं।

राजधानी में दो प्रोजेक्ट की रफ्तार और प्रक्रिया इतनी सुस्त चल रही कि लोगों को मिलने वाली सुविधा ठंडे बस्ते में है। जब पहले प्रोजेक्ट के रूप में बोरियाखुर्द में 524 शहरी गरीबों के निर्माणाधीन मकान की स्थिति जांची गई, तो वहां पाया गया कि 7 साल पहले इस प्रोजेक्ट को शुरू करते हुए आउटर में लोगों को स्वतंत्र ईडब्ल्यूएस मकान देने के लिए प्रक्रिया की गई। 2018 में स्वतंत्र मकान का निर्माण शुरू करवाने के बाद आरडीए निर्माण एजेंसी से अभी तक प्रोजेक्ट पूरा करने के बाद मकान बुक कराने वाले लोगों को पजेशन नहीं दे पाया है। इससे जिन लोगों ने मकान लेने के लिए बैंक से फाइनेंस कराया है, उन्हें लोन की किस्त के साथ मकान का किराया भी देना पड़ रहा है।

फंसा है कॉलोनी का रीकंट्रक्शन

वहीं दूसरे प्रोजेक्ट के रूप में टिकरापारा स्थित 96 कॉलोनी का रीकंस्ट्रक्शन करवाने की प्लानिंग आरडीए ने एक साल पहले की। कॉलोनी का कायाकल्प करने के लिए आरडीए के अफसरों ने 23 करोड़ से ज्यादा का प्रोजेक्ट भी बनाया। काम करने से पहले कॉलोनी की समिति से सहमति मांगी। इसके बाद उन्हें वन एवं टू बीएचके फ्लैट में बिजली, पानी, नाली और पार्किंग की सुविधा देने का मसौदा तैयार किया। इस कॉलोनी का रीकंट्रक्शन कराने से पहले कॉलोनी को जर्जर घोषित करने की प्रक्रिया करनी होगी। इसकी फाइल शासन को भेजी गई है। मंजूरी के बाद निर्माण होगा।

जून में पूरा होगा प्रोजेक्ट, प्रक्रिया जारी है

पुरानी बिल्डिंग का रीकंस्ट्रक्शन कराने के लिए प्रोजेक्ट तैयार है। कॉलोनी को जर्जर घोषित कराने की प्रक्रिया के बाद अधिकारियों के निर्देश पर एजेंसी तय करेंगे। जून तक स्वतंत्र मकानों का निर्माण पूरा करने निर्देश दिया है।

- अनिल गुप्ता
अधीक्षण अभियंता, आरडीए, रायपुर

मल्टी स्टोरी में होगी यह सुविधा

अभी 96 कॉलोनी में लोगों को हर फ्लैट में टॉयलेट की सुविधा नहीं मिल रही है। कॉलोनी में सुरक्षा के लिहाज से बाउंड्री भी नहीं है। इतना ही नहीं, इसमें वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम ध्वस्त है। इसे देखते हुए आरडीए ने ग्राउंड फ्लोर के अलावा 8 मंजिला बिल्डिंग बनाने के लिए 23 करोड़ से ज्यादा का प्रोजेक्ट तैयार किया है। इसमें वन और टू-बीएचके के करीब 150 लोगों के लिए फ्लैट बनेंगे। इसमें अटैच लेट-बॉथ के अलावा कॉलोनी परिसर तैयार होगा। इसमें बिजली, पानी के साथ सीवरेज भी सिस्टमेटिक होगा। इसके साथ ही फ्लैट में रहने वाले लोगों को पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी।

70 पार्षदों के साथ 27 को शपथ लेंगी नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे

14 एमआईसी मेंबर्स से सजेगी एमआईसी नए चेहरे दमकेंगे, पुराने का बोलेगा अनुभव

जोन अध्यक्ष के लिए सुगबुगाहट शुरू, सामने आने लगे दावेदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम की नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे 70 निर्वाचित पार्षदों के साथ 27 फरवरी को बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में शपथ लेंगी। शपथ के बाद शहर सरकार की नई टीम तैयार होगी। इस बार सदन का नजारा बदला-बदला सा नजर आएगा। 14 एमआईसी मेंबर्स से एक ओर जहां एमआईसी सजेगी, वहीं विपक्षी पाले में कांग्रेस के 7 पार्षद और 3 निर्दलीय जनहित के मुद्दे उठाने मौजूद रहेंगे। इस बार की एमआईसी में जहां ज्यादातर नए चेहरे अपने हावभाव से चमक बिखेरने सदन में दमकेंगे। वहीं कुछ पुराने मेंबर्स का अनुभव भी बोलेगा।

डेढ़ दशक बाद शहरी सरकार में भाजपा से महापौर के रूप में निगम की पूर्व नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे अपने परिषद के नए पुराने सदस्यों के साथ सदन का हिस्सा बनेंगी। उनकी एमआईसी में जिन नए सदस्यों के नाम उभरकर सामने आए हैं, उनमें कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ व पूर्व एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन को चुनाव में हराकर पहली बार पार्षद बने युवा अमन ठाकुर का नाम है, जो इस बार के शहरी सरकार के सबसे कम उम्र के पार्षद हैं। 26 वर्षीय अमन ठाकुर रामकृष्ण परमहंस वार्ड से चुनाव जीतकर सदन पहुंचे हैं। इसी तरह एमआईसी में दूसरा नाम भाजपा से निर्वाचित पार्षद महेंन्द्र खोडियार का लिया जा रहा है, जो निगम चुनाव में इस बार सबसे ज्यादा वोटों से चुनाव जीतकर आए हैं।

इसी तरह तीसरा नया नाम अमर गिदवानी का है, जिन्होंने निवृत्तमान महापौर एजाज ढेबर को चुनाव में एक झटके से हराया। ऐसे में उनके इस जीत को देखते हुए एमआईसी में उन्हें शामिल किया जा सकता है। साथ ही नए चेहरों में महात्मा गांधी वार्ड से चुनाव जीतकर पार्षद बनीं साधना-प्रमोद साहू, मोतीलाल नेहरू वार्ड से दूसरी बार चुनाव जीतकर पार्षद बने गोपेश साहू, गज्जू साहू और यतियतन लाल वार्ड से निर्वाचित पार्षद नंदकिशोर साहू एमआईसी में लिए जा सकते है। साथ ही अवतार बागल, आशु चंद्रवंशी, संतोष साहू और कृतिका जैन के नाम उभरकर सामने आए हैं।

वरिष्ठ पार्षदों में इनका नाम

सदन में अपनी बात बेबाकी से रखने वाली दूसरी बार की पार्षद सरिता दुबे एमआईसी की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। उनके साथ ही पूर्व उपनेता प्रतिपक्ष व वरिष्ठ भाजपा पार्षद मनोज वर्मा का नाम एमआईसी सदस्य के रूप में लिया जा रहा है।

नाममात्र शुल्क में रात बिताने मिल रही सुविधा

बड़े अस्पतालों में परिजनों का आवास सिर्फ योजना, सहारा बन रहा 16 बेड का 'दाईकोरा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डीके, आंबेडकर, जिला अस्पताल में दूर दराज के इलाकों से इलाज के लिए आने वाले मरीज और उनके अटेंडरों के लिए आवास सुविधा सिर्फ योजना बनकर रह गई है। इनके बीच रेडक्रास सोसायटी द्वारा सीएमएचओ कार्यालय परिसर में संचालित दाईकोरा भटकते मरीजों के ठहरने के लिए बड़ा सहारा बन रहा है। नाममात्र शुल्क वाले इस ठिकाने पर आसपास के कई अस्पतालों के मरीज और अटेंडर आकर रुकते हैं। पूर्व जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मीरा बघेल ने कार्यालय के पीछे रिक्त भूमि में दाईकोरा का निर्माण कराया था। वर्ष 2022 में इसका लोकार्पण किया गया और इसका संचालन रेडक्रास सोसायटी द्वारा किया जा रहा है और जांच और उपचार के इंतजार में रात बिताने वाले मध्य और निम्न आय वर्ग के मरीज और उनके परिजनों का बड़ा सहारा बन रहा है। दाईकोरा के संचालन समिति से जुड़े लोगों का कहना है कि अब तक सैकड़ों मरीज यहां ठहरकर अपना इलाज पूरा करवाकर घर लौट चुके हैं।

दान में मिली राशि का उपयोग

दाईकोरा का निर्माण राजधानी में रहने वाले एक परिवार द्वारा दान में मिली राशि के उपयोग से किया गया था। मिली राशि के सदुपयोग के लिए काफी विचार मंथन करने के बाद दूसरे जिलों से राजधानी आकर इलाज कराने वालों को अस्थायी आवास सुविधा उपलब्ध कराने का फैसला लिया था और कार्यालय के पिछले हिस्से की रिक्त ज़मीन का चयन कर वहां निर्माण कराया गया था।

डीके में ऊपर, आंबेडकर में बरामदा ठिकाना

डीके अस्पताल भवन के ऊपरी हिस्से में मरीजों और उनके अटेंडरों के लिए अस्थायी ठिकाना बनाया गया है। सुरक्षागत कारणों से यहां गिनती के अटेंडर प्रवेश कर पाते हैं और अन्य लोगों को बाहर ठिकाना जमाना पड़ता है। आंबेडकर अस्पताल में इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं है, जिसकी वजह से मरीजों के अटेंडर वार्ड के बाहर बरामदे में रहकर अपना वक्त गुजारते हैं।

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 24 फरवरी 2025
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

मधुरिमा की दिलकश आवाज ने दिलों ...

लाइव इवेंट

रेलवे में 32,438 पदों पर भर्ती के लिए अब 1 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

रायपुर। रेलवे में ग्रुप-डी के 32,438 पदों पर भर्ती निकली है। इसमें शामिल होने के लिए आवेदन की लास्ट डेट पहले 22 फरवरी, जिसे अब 1 मार्च तक के लिए एक्सटेंड कर दिया गया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट www.rrbapply.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। नए टाइम टेबल के अनुसार अब एप्लिकेशन फॉर्म भरने के बाद 3 मार्च तक फीस जमा करने का मौका दिया जाएगा। इसके अलावा फॉर्म में करेक्शन के लिए 4 से 13 मार्च तक का समय दिया जाएगा। इसके लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से पास होना चाहिए। न्यूनतम उम्र 18 साल और अधिकतम 36 साल होनी चाहिए। इसके रक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट दी जाएगी। आयु की गणना 1 जनवरी 2025 को ध्यान में रखकर की जाएगी।

बैंकों में निकली है भर्ती

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ओर से अप्रेंटिसशिप के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार यूनियन बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट **www.union-bankofindia.co** या **bfsissc.com** पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से **Concurrent** ऑडिटर के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी हुआ है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट **sbi.co.in** पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। यह भर्ती कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर होगी। आवेदन की आखिरी तारीख 15 मार्च तय की गई है।

सिटी इवेंट

परिजनों की अधिक उम्मीदें बच्चों में तनाव का बन रही कारण

रायपुर। सीजीबोर्ड एग्जाम से पहले विद्यार्थियों में तनाव का स्तर बढ़ता जा रहा है, जिसे दूर करने के लिए मोटिवेशनल काउंसलिंग की आवश्यकता महसूस हो रही है। माता-पिता द्वारा बच्चों पर अधिक दबाव डाले जाने से उनका आत्मविश्वास कम हो रहा है। इस स्थिति को देखते हुए छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने विद्यार्थियों और उनके परिजनों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, जहां वे विषय विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक और मनोवैज्ञानिक से संपर्क कर सकते हैं। अब तक 360 से अधिक कॉल्स आ चुकी हैं। यह हेल्पलाइन सेवा 15 फरवरी से शुरू की गई थी और यह 27 फरवरी तक जारी रहेगी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल के जेके अग्रवाल ने बताया कि विद्यार्थियों की समस्याओं को हल करने के लिए विषय विशेषज्ञों की टीम रोजाना काम कर रही है। परीक्षा के एक दिन पहले भी विशेषज्ञों की उपस्थिति रहेगी, ताकि विद्यार्थी अपनी समस्याओं का समाधान कर सकें। मनोवैज्ञानिक स्वाति शर्मा ने कहा, 'परीक्षा नजदीक आते ही विद्यार्थियों का तनाव बढ़ जाता है। ऐसे में माता-पिता की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे घर का माहौल सकारात्मक रखें और बच्चों पर पढ़ाई का अत्यधिक दबाव न डालें।'

बारहवीं के विद्यार्थी एनसीआरटी की किताबों से पढ़ें

शिक्षिका अर्पणा तिवारी ने बताया कि कक्षा बारहवीं के विद्यार्थी एनसीआरटी किताब से पढ़ें, क्योंकि एग्जाम में उससे ही प्रश्न पूछा जाएगा। वहीं, 10वीं कक्षा के विद्यार्थी आवंटिक सरकारी किताबों से तैयारी करें और रेफरेंस के लिए नवबोध, प्रबोध की किताबों को पढ़ें।

कार्नर न्यूज

सवाल- 10वीं कक्षा में टॉप विद्यार्थियों की सूची में नाम दर्ज था, लेकिन इस बार मुझे डर लग रहा है। मैं अपने माता-पिता की उम्मीद पर खरे उतर पाऊंगा की नहीं?

जवाब- टॉप विद्यार्थियों की सूची में नाम दर्ज करना आपकी तैयारी पर निर्भर करता है। माता-पिता अपने बच्चों पर जरूरत से अधिक दवाब ना बनाएं, पढ़ाई के साथ माइंड रिलेक्स भी जरूरी है।

सवाल- घर पर माता-पिता का लड़ाई होती रहती हैं, जिससे पढ़ने में समस्या हो रही। मैं कहां जाकर पढ़ाई करूं?

जवाब- अगर आप स्कूल के पास रहते हैं तो विद्यालय के प्राचार्य से अनुरोध करें और लाइब्रेरी और क्लास रूम में बैठकर पढ़ाई करें। इस प्रकार की समस्या होने पर माता-पिता से भी काउंसलिंग की गई और बच्चे के परिजनों को परीक्षा तक घर पर सकारात्मक माहौल बनाकर रखने की बात कही।

सवाल- रसायन विज्ञान में किस तरह के प्रश्न पूछा जाएगा और इसकी तैयारी कैसे करें?

जवाब- सबसे पहले ब्लू प्रिंट को समझें, कम-अधिक अंक के प्रश्न किस अध्याय से पूछा जाएगा, ब्लू प्रिंट में उसे लिखा गया है।

सवाल -गणित विषय में ऑब्जेक्टिव प्रश्नों की तैयारी कैसे करें?

जवाब- गणित में 15 अंक का आंकिक प्रश्न पूछा जाता है, अध्याय के अंत में हाइलाइट कर शॉट नोट्स दिया गया है, उसे याद करें।

भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए क्रिकेट मुकाबले में रविवार को भारत ने शानदार जीत दर्ज की, जिससे क्रिकेट प्रेमियों के बीच जश्न का माहौल बन गया। जैसे ही भारत की जीत तय हुई, रात करीब 10 बजे युवाओं का समूह अपनी कारों और बाइकों के साथ जयस्तंभ चौक की ओर बढ़ने लगा। चौक पर पहुंचते ही हजारों की संख्या में लोग जुट गए और भारत की ऐतिहासिक जीत का उत्सव मनाने लगे। जयकारों, भारत माता की जय के नारे और रंग-बिरंगी आतिशबाजी से पूरा वातावरण गूंज उठा। युवाओं ने अपनी खुशी का इज़हार करते हुए डांस किया, तालियां बजाई और एक-दूसरे को मिठाइयां बांटी।

रायपुरियंस पर पाक-फतह का जादू, चौराहे पर जोशीला सैलाब

युवाओं का जोश, हर चेहरे पर खुशी और जश्न का माहौल, क्रिकेट के प्रति दीवानगी का गवाह बनी राजधानी

रायपुर। जयस्तंभ चौक में होने वाले इस भव्य उत्सव में हर उम्र के लोग शामिल हुए, और भारत की जीत का यह पल सभी के लिए यादगार बन गया। यह नजारा उत्सव जैसा था, जो शहरभर में क्रिकेट के दीवानों के लिए अविस्मरणीय बन गया। करीब दो घंटे तक चौक में ढोल-नंगाड़ों के साथ पाकिस्तान की हार पर भारत का जश्न मनाया गया। युवाओं का जोश, हर चेहरे पर खुशी और जश्न का यह माहौल शहरभर में क्रिकेट के प्रति दीवानगी और भारत की जीत के जश्न का गवाह बना।

बच्चों और युवाओं का जबरदस्त डांस

पाकिस्तान पर भारत की जीत का जश्न मनाने की यह परंपरा हर बार की तरह इस बार भी देखने को मिली। लोगों को इस खास दिन का बेसब्री से इंतजार था, और जब भारत ने जीत हासिल की, तो क्रिकेट प्रेमियों की खुशी दोगुनी हो गई, खासकर कोहली के शतक के बाद। चौक में बच्चों और युवाओं ने धूमधाम से डांस किया। पूरे माहौल में उत्साह था, और हर कोई अपनी खुशी को इस खास पल में शामिल कर रहा था। कुछ लोग इस जश्न को कैमरे में कैद कर रहे थे, तो वहीं कुछ ने लाइव वीडियो कॉल के जरिए अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से जुड़कर इस पल का आनंद लिया। इस खास दिन ने शहर को भारत की जीत और क्रिकेट प्रेमियों की खुशी से भर दिया।

कैफे, क्लब और मॉल्स में लाइव स्ट्रीमिंग का रोमांच

क्रिकेट प्रेमियों ने दोस्तों, परिवार और भीड़ के साथ मैच का आनंद लिया। भारत की जीत पर अलग-अलग तरीकों से जश्न मनाया। क्लबों ने अपने सभागारों को भी बुक किया था, जहां क्लब के सदस्य अपने परिवार के साथ मैच का आनंद लेने पहुंचे थे। शहर के प्रमुख मॉल्स में भी बड़ी स्क्रीन पर लाइव स्ट्रीमिंग का इंतजाम किया गया था, जहां लोग परिवार और दोस्तों के साथ बैठकर भारत की जीत का उत्सव मनाया। कैफे, होटल और गार्डन में भी मैच की लाइव स्ट्रीमिंग की गई थी, ताकि क्रिकेट प्रेमी अपनी टीम इंडिया को चीयर अप कर सकें। इसके अलावा, प्रेस क्लब और सुभाष स्टेडियम में भी लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से मैच दिखाया गया। इन तमाम आयोजनों ने क्रिकेट के इस रोमांचक मुकाबले को और भी खास बना दिया।

जीत पर शहरभर में आतिशबाजी

भारत की शानदार जीत के बाद शहरभर में खुशी की लहर दौड़ गई और आतिशबाजी की आवाजें हर दिशा से सुनाई देने लगीं। जैसे ही भारत ने पाकिस्तान को हराया, लोग सड़कों पर उतर आए और जमकर पटाखे फोड़े। जयस्तंभ चौक पर तो आसमान रोशन हो गया, जहां हर तरफ आतिशबाजी का नजारा देखने को मिला। शहर के चौक-चौराहों से लेकर गलियों और घरों तक भारत की जीत का जश्न मनाने का दृश्य था। हर किसी के चेहरे पर मुस्कान और उत्साह की लहर थी।

थोक मार्केट में रिटेलर्स कर रहे डिमांड, होली में बचाव के लिए तैयारी तेज, बाजार में बढ़ने लगी रौनक

रंगों से बचाएंगे अमेरिका-वियतनाम के आई-फेस मास्क युवाओं को पसंद आ रही कृष, आयरनमैन, अजूबा थीम

रायपुर। रंगों का महापर्व होली 14 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसमें रंगों की फुहार से आंख और चेहरे को साइडिफेक्ट से बचाने का जतन लोग हर साल करते हैं। इसे देखते हुए होली में बच्चों व युवाओं को बचाने के लिए बाजार में इस बार अमेरिका और वियतनाम के साथ ही मुंबई से मंगाए गए फेस और आईमास्क की ढेरों वैरायटी सजने लगी है। इसके लिए रिटेलर्स थोक डीलर्स के पास बुकिंग के लिए भी पहुंचने लगे हैं। इस बार बच्चों की पसंद को देखते हुए एनिमेशन्स फिल्मों के चर्चित कैरेक्टर्स की तरह ही फेस और आईमास्क तैयार हैं। इनकी कीमत भी लोगों के बजट में होने से खरीदने में भी रुचि बढ़ रही है। इसके चलते रंगोत्सव से पहले ही गोलबाजार में रिटेलर्स की सक्रियता और आर्डर बढ़ने लगे हैं।

थोक मार्केट में बढ़ी पूछपरख

गोलबाजार के थोक कारोबारी अरविंद जैन ने बताया कि इस बार भी रंगों से चेहरे और आंखो को बचाने के लिए मिंकी माउस, मिनी माउस, गन, बियर, हैप्पी और कुल थीम पर तैयार किए गए आई एवं फेसमास्क की पूछ-परख छोटे दुकानदार ही नहीं, बल्कि झुग्गी बस्तियों में बच्चों को त्योहारी सामान देने वाली संस्थाएं भी बल्क में खरीदने के लिए पहुंचने लगी हैं। लोग आर्डर बुक कराने के बाद पैकिंग की जानकारी लेने के बाद घर पहुंच सुविधा भी लेते हैं। कई लोग किए गए आर्डर को लेने के लिए खुद बाजार में आते हैं। इनमें एनजीओ से जुड़े युवा ज्यादा होते हैं।

कार्टून कैरेक्टर वाले मास्क भी खास

रिटेलर अशोक देवांगन ने बताया कि इस बार फेस और आईमास्क की रेंज थोक व्यापारियों के पास भी ज्यादा है। इनमें महिलाओं के लिए भी खास तरह से डिजाइन किए गए मास्क उपलब्ध हैं। युवाओं के लिए इस बार आयरनमैन, कृष, अजूबा, सुपरमैन थीम पर तैयार किए गए आई एवं फेसमास्क खास हैं। इसे युवा पहनना पसंद करते हैं। इस बार 50 से 100 रुपए में आई मास्क आसानी से मिलेंगे। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाले मास्क 75 से 200 की रेंज में मिलने वाले हैं। थोक व्यापारी इनकी सेलिंग ज्यादा होने की उम्मीद इस सीजन में कर रहे हैं।

धर्म लाइव

युवाओं ने तीन हजार किलो चारा सब्जियों से किया गौ भंडारा

रायपुर। शहर के मुख्य मार्गों और गलियों में घूमने वाली गौ माताओं के लिए युवाओं ने तीन हजार किलो चारा और सब्जियों से भंडारा किया। लीलावती देवी भगवान दास गौ माता सदन गुमा-बाना में सेवा देने वाले युवाओं के ग्रुप ने 'बहुत हुआ इंसानों का भंडारा, अब करेंगे गौ भंडारा' थीम पर घुमंतू गौवंश को आहार देने के लिए निकले। 15 सौ किलो हरा चारा के साथ ही 15 सौ किलो लौकी, भाठा, गोभी , बंधी गोभी को काटने के बाद उसे वाहनों में लेकर बूढ़ापारा तालाब से गौ भंडारा करने के लिए आदेश सोनी के मार्गदर्शन में निकले। जहां भी उन्हें गौवंश देखने को मिले, वहां रुकने के बाद चारा रखा।

इस क्षेत्र में युवाओं ने किया भंडारा

युवा अलग-अलग वाहनों में चारा लेकर बूढ़ापारा तालाब क्षेत्र के साथ ही लाखे नगर, सुन्दर नगर होते हुए वे रायपुरा और अमलेश्वर रूट पर निकले। जिस जगह भी उन्हें गौ माता देखने को मिली, वहां रुके और चारा और हरी सब्जी का अलग-अलग ढेर लगाया। जब तक गौ माता ने चारा नहीं खाया, वे रुके। इस तरह की व्यवस्था इसलिए भी की गई ताकि रास्ते में चारा भंडारा की वजह से लोगों को दिक्कत नहीं होने पाए। इस संस्था से जुड़े युवाओं ने जगह-जगह लोगों से भंडारे का ट्रेंड बदलने का आह्वान किया।

मधुरिमा की दिलकश आवाज ने दिलों में छोड़ी छाप, बॉलीवुड के नए-पुराने गीतों पर जमकर थिरके

मैक ऑडिटोरियम में सारेगामापा फेम गायिका मधुरिमा बसु ने दी लाइव प्रस्तुति

मैक ऑडिटोरियम में रविवार को सारेगामापा फेम गायिका मधुरिमा बसु ने अपनी मधुर आवाज से श्रोताओं के दिलों में अमिट छाप छोड़ी। विकास म्यूजिक वर्ल्ड की ओर से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत प्रतीक्षा वैध के गाने 'ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं, हम क्या करें' से हुई, जिसने श्रोताओं को उनके पहले प्रेम की यादों में खो जाने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद पूनम शर्मा ने 'रोज-रोज आंखों तले' गाकर दर्शकों को एक पुरानी यादों में खो जाने का मौका दिया।

रायपुर। जब मंच पर मधुरिमा बसु आईं, तो उनकी आवाज़ का जादू शुरू हो गया। उन्होंने 'मिले हो तुम हमको बड़े नसीबों से' और 'चुराया है मैंने किस्मत की लकीरों' गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके बाद मधुरिमा ने 'माही वे' गाया, जो दर्शकों की तालियों और जोश से गूंज उठा। काले और महरून रंग के लिबास में सजी मधुरिमा ने मंच पर एक नई ऊर्जा और गर्मजोशी का संचार किया, जिससे पूरा ऑडिटोरियम उनके गानों पर झूमने के लिए मजबूर हो गया।

यादगार शाम को किया कैमरे में कैद

रविवार की शाम जब मधुरिमा बसु ने मंच पर कदम रखा, तो श्रोताओं का उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया। उन्होंने मो. रफी के मशहूर गाने 'गुलाबी आंखें जो तेरी देखी' को अपनी आवाज़ में ढाल कर पूरे ऑडिटोरियम को झूमने पर मजबूर कर दिया। गाने की धुन पर बुजुर्ग श्रोता भी पूरी मस्ती में गाने लगे, और उनका साथ देने वाले नवयुवक भी इस यादगार पल का हिस्सा बने। इसके बाद मधुरिमा ने आशा भोसले और पंचम दा (आरडी बर्मन) के सदाबहार हिट गाने 'ओ मेरे सोना रे, सोना रे, मुझ से खफा मत होना रे' को प्रस्तुत किया। गाने की मीठी धुन पर लोग न सिर्फ झूमते रहे, बल्कि इस खास पल को अपने मोबाइल कैमरे में कैद करने की कोशिश करते रहे। यह शाम वाकई में एक अविस्मरणीय याद बन गई, जिसे श्रोताओं ने अपने दिलों में हमेशा के लिए संजो लिया।

मेरी उमर के नौजवानों पर झूमे लोग

जैसे ही गाने का म्यूजिक शुरू हुआ, लोग अपनी कुर्सियों पर बैठे-बैठे ही खुशी से झूमने लगे। मधुरिमा ने ' दम मारो दम, लुट जाए गम, बोलो सुबह शाम हरे कृष्णा हरे राम ' गाना शुरू किया, मंच पर बैठे संचालक, अध्यक्ष, दर्शक दीर्घा में बैठे लोग सभी थिरकने लगे। इसके बाद मधुरिमा ने अगले गाने की शुरुआत करने से पहले सबसे पूछा, 'क्या आपने कभी प्यार किया ', जिसका जवाब देते हुए सबने जोर से हां में दिया। इसके बाद ' मेरी उमर के नौजवानों ' बजना शुरू हुआ। आगे जैसे ही ' ओम शांति ओम, शांति ओम ओम ' लाइनें आई, लोग खुशी से झूम उठे।

रियाज करते रहें, कामयाब होंगे

हरिभूमि ने मधुरिमा बसु से खास बातचीत की। म्यूजिकल जर्नी के बारे में बताते हुए कहती हैं कि बचपन से ही मेरे घर में संगीत का माहौल था। मेरी मां भी गाती थी। मैंने इंडियन क्लॉसिकल म्यूजिक की तालीम हासिल की है। 2010 के सारेगामापा के बाद सफर आसान नहीं रहा। बाद में मैंने कॉमसियल शोज करने शुरू कर दिए। न्यू कमर्स को सलाह देते हुए कहती हैं कि अच्छे सीखकर ही आएं। रियाज करते रहें, सबसे जरूरी बात लगे रहें, आज नहीं तो कल कामयाब जरूर होंगे। गानों की पसंद के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि शुरू से ही मेरा रूझान इंडियन क्लासिक म्यूजिक में था। पुराने गानों में लता मंगेशकर, आशा, मन्ना डे को सुनती हूं, जबकि नए में श्रेया घोषाल, सुनीधि चौहान और अरिजीत सिंह को ज्यादा सुनती हूं।

समाज इवेंट

देश-प्रदेश से आए हुए संतजनों का किया स्वागत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध राजिम कुंभ कल्प में देश-प्रदेश से आए हुए संतजनों का स्वामी डॉ. राजेश्वरानंद महाराज ने रविवार को स्वागत किया। इस मौके पर पं. रविंद्र शास्त्री के समस्त आचार्य द्वारा धर्म ध्वज का पूजन हुआ, संतों द्वारा शस्त्र खेला मनाया गया, निरंतर हवन यज्ञ संगीत मय भक्तों को दर्शन लाभ हो रहा है, संतों भक्तों को दर्शन देते हुए राजिम कुंभ कल्प में देश धर्म समाज छत्तीसगढ़ प्रदेश आगे उन्नतिशील बनें। देश-प्रदेश से आए संतों में विश्व हिंदू महासंघ, संत महासभा ब्राह्मण, अंतर्राष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट, संत महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश्वर महादेव पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी राजेश्वरानंद महाराज, ब्राह्मण अंतर्राष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र शास्त्री महाराज, आजीवन निराहारी गौतमाचार्य, सरकंडा बाबा पीतांबर पीठ राधे-राधे महाराज, राष्ट्रीय महामंत्री अखाड़ा परिषद नरेंद्र दास महाराज, अखिल भारतीय संत समिति महामंडलेश्वर के सर्वेश्वर दास महाराज, महंत राधेश्याम महाराज, महंत देवदास, सीता राम बाबा, संरक्षक परमात्मा महाराज, अमरकंटक से सुप्रसिद्ध संत अनुसुईया महाराज, अखिल भारतीय पंच रामानंदीय वैष्णव, अग्नि अखाड़ा, निर्मोही अखाड़ा, दिगंबर अखाड़ा, निर्वाणी अखाड़ा शामिल है।

14 मार्च से खरमास, महीनेभर नहीं हों सकेंगे मांगलिक कार्य

रायपुर। हिंदू धर्म में खरमास का अपना महत्व है। हिंदू धर्म में खरमास के दौरान शादी-विवाह, सगाई से लेकर गृहप्रवेश, नामकरण, मुंडन समेत कोई शुभ और मांगलिक काम नहीं किए जाते। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, भगवान सूर्य के धनु या मीन राशि में प्रवेश के बाद खरमास लग जाता है। पंचांग के मुताबिक, इस समय भगवान सूर्य कुंभ राशि में गोचर कर रहे हैं। कुंभ राशि में भगवान सूर्य का गोचर 13 मार्च तक रहेगा। इसके बाद से 14 मार्च को भगवान सूर्य मीन राशि में कर जाएंगे। भगवान सूर्य के मीन राशि में प्रवेश के साथ ही 14 मार्च से खरमास की शुरुआत हो जाएगी, यानी 14 मार्च से शादी की शहनाईयां एक महीने तक नहीं सुनाई देंगी।

14 अप्रैल के बाद होंगे मांगलिक कार्य

पंचांग के मुताबिक, भगवान सूर्य 14 अप्रैल 2025 को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। इसी के साथ 14 अप्रैल को खरमास समाप्त हो जाएगा। 14 अप्रैल से फिर विवाह की शहनाईयां बजनी शुरू हो जाएंगी। साथ ही गृहप्रवेश, नामकरण, मुंडन जैसे मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाएगी। हिंदू धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान सूर्य धरती पर जीवन के दाता है। भगवान सूर्य की रोशनी के बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। ये पूरी प्रकृति भगवान सूर्य से जुड़ी हुई है। खरमास की अवधि के दौरान भगवान सूर्य का तेज कम हो जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, विवाह या किसी अन्य शुभ और मांगलिक काम से लिए भगवान सूर्य का तेज अच्छा माना जाता है।

भारत में नहीं होगा चंद्रग्रहण का असर

साल 2025 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्यग्रहण और दो चंद्रग्रहण होंगे। वर्ष 2025 में कुल दो चंद्रग्रहण लगने वाले हैं। इनमें से पहला ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा, जबकि दूसरा चंद्रग्रहण भारत में नजर आएगा। पहला चंद्रग्रहण 14 मार्च 2025 को लगेगा। यह पूर्ण ग्रहण होगा। यह चंद्र ग्रहण धुलंडी के दिन लगेगा, लेकिन भारत में दिखाई नहीं देने के कारण इस चंद्रग्रहण का भारत में कोई असर नहीं होगा। ये चंद्रग्रहण यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और पैसिफिक में दिखाई देगा। दूसरा चंद्रग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्रग्रहण पितृपक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतककाल मान्य होगा।

झूलेलाल उत्सव मनाने मंथन घरों में 5 दिनों तक होगी पूजा

रायपुर। शहर में इस बार भी झूलेलाल उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए सिंधु एकता संघ, सिंधी समाज रायपुर द्वारा लगातार 13वें वर्ष भी झूलेलाल उत्सव मनाने की तैयारी शुरू की गई। रविवार को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए मंथन किया गया। इसमें सुभाष बजाज, रमेश मिरघानी और चंद्र कुमार माखीजा शामिल हुए। उन्होंने बताया कि साईं लालदास की प्रेरणा और संत युधिष्ठिर लाल व अम्मा मीरा देवी के सानिध्य में उत्सव मनाया जाएगा। चेट्रीचंड्र महोत्सव के 5 दिन पूर्व सिंधी समाज के घर-घर में भगवान झूलेलाल की मूर्ति स्थापित की जाएगी। जैसे हिंदुस्तान में गणेश उत्सव मनाया जाता है, उसी तर्ज पर सिंधु एकता संघ देशभर में झूलेलाल उत्सव मनाया जाएगा।

संस्थाएं करेंगी लोगों का पंजीयन

इसके तहत सिर्फ छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा सहित सभी राज्यों में सिंधी समाज के लोगों द्वारा घर-घर झूलेलाल की मूर्ति स्थापना की जाएगी। 5 दिनों तक विधिवत पूजा-अर्चना व चेट्रीचंड्र के दूसरे दिन विधि- विधान से मूर्तियों का विसर्जन किया जाएगा। संघ द्वारा रायपुर व आसपास के शहरों में मूर्तियां निशुल्क वितरित की जाएंगी। इस बार भी प्रदेश में 10,000 मूर्तियां निशुल्क वितरित की जाएंगी। सिंधु एकता संघ व साईं लालदास से जुड़ी संस्थाओं द्वारा घर-घर में झूलेलाल की मूर्ति निशुल्क बांटी जाती हैं। इसके लिए जल्द ही पंजीयन स्थल तय किए जाएंगे। जहां लोग पंजीयन भी करवा सकेंगे।

आराधना

आदि से पहले और अंत के बाद भी श्रीकृष्ण सर्वत्र विद्यमान

रायपुर। भगवान श्रीकृष्ण संसार की शुरुआत से पहले भी थे और इस संसार के अंत के बाद भी रहेंगे। सभी मनुष्यों को गीता के पहले श्लोक के पहले शब्द 'धर्म' और आखिरी श्लोक के आखिरी शब्द 'मम ' को ही स्मरण रखना पर्याप्त है। क्योंकि, 'धर्म मम' का अर्थ है- धर्म मेरा है, मैं धर्म का हूं। इसलिए जो भी श्रीकृष्ण को इस भावना से स्मरण करेगा, वो उन्हें पा सकेगा। यह प्रवचन पुरानी बस्ती स्थित गोपाल मंदिर के 34वें वार्षिकोत्सव पर चल रहे 9 दिवसीय भागवत कथा के अंतिम दिन कथा व्यास महंत गोपालशरण देवाचार्य ने किया। कथा के 9वें दिन पहले आचार्य अजय शरणदेव ने यज्ञ की पूर्णाहुति करवाई। इसके बाद संत गोपालशरण ने गीता पर प्रवचन करते हुए बताया कि कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन को योग के बारे में बताते हुए श्रीकृष्ण कहते हैं कि मुझे पाने के तीन मार्ग हैं- कर्म योग, ज्ञान योग और भक्ति योग।

श्रीमद भागवत गीता पर हुई तुलसी वर्षा

गोपाल शरणदेव ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण अपने भक्तों के वचन का मान रखने के लिए अपना वचन भी भूल जाते हैं। महाभारत के युद्ध के पांचवें दिन के युद्ध समाप्ति के बाद दुर्योधन के कहने पर भीष्म पितामह ने अगले दिन जब किसी एक पांडव का वध करने का संकल्प लिया तो द्रोपदी चिंतित हो उठीं। इस पर श्रीकृष्ण के कहने पर द्रोपदी ने धोखे से भीष्म से सौभाग्यवती का आशीर्वाद मांग लिया। ऐसे में भीष्म ने श्रीकृष्ण को कहा कि अगर कल मेरा प्रण टूटेगा तो मैं आपका भी युद्ध में शस्त्र न उठाने का संकल्प भी तोड़ूंगा। अपने भक्त की इस प्रतिज्ञा का मान रखने के लिए युद्ध के छठवें दिन जब भीष्म ने भयंकर युद्ध कर पांडवों की सेना में खलबली मचा दी तो भगवान ने भी अपना प्रण तोड़ते हुए भीष्म की ओर रथ का पहिया लेकर मारने के लिए दौड़े।

शहर में विभिन्न संगठनों की महिलाओं व युवाओं ने शिवाजी जयंती के अवसर पर निकाली बाइक रैली

शिवाजी के वेश में घोड़े की सवारी, झांकी के साथ गोंधल व लेझीम नृत्य, लाठी-तलवारबाजी

कार्नर न्यूज

रायपुर। कोई शिवाजी के वेश में घोड़े पर सवार होकर रैली का हिस्सा बना, तो किसी ने बाइक रैली में उत्साह से जय भवानी, जय शिवाजी का जयघोष किया। इसके चलते शहर के विभिन्न मार्गों पर छत्रपति शिवाजी का भगवा ध्वज लिए हजारों की तादाद में युवा आयोजन का हिस्सा बने। दोपहर से शाम तक उत्साह का माहौल बना रहा। इसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश कुनबी समाज संगठन की अगुवाई में रविवार को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के उपलक्ष्य में समाज द्वारा बाइक सद्भावना रैली निकाली गई। अमित डोये ने बताया कि इससे पहले छत्रपति शिवाजी महाराज कुनबी भवन गोंदवारा में मंचीय आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मोतिलाल साहू, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता उमेश घोरमोड शामिल हुए। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रंजीत भाऊ मुनेश्वर ने की।

आकर्षण का केन्द्र रही बाइक रैली

विधायक मोतीलाल साहू ने सामाजिक कार्य के लिए भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके बाद बाइक रैली निकाली गई। सांसद बृजमोहन अग्रवाल कोटा में रैली का हिस्सा बने। इसके बाद रैली तात्यापारा चौक पहुंची, जहां पूजा-अर्चना के साथ ही इस आयोजन का समापन किया गया। जयघोष और नारों के साथ रैली में भगवा ध्वज लहराते रहने के लिए लोगों का उत्साह वर्धन भी किया। इस दौरान बुलेट पर सवार युवाओं और महिलाओं की टोली आकर्षण का केन्द्र रही। इसमें हर वर्ग के लोग शामिल होने के साथ ही शौर्य प्रदर्शन करते हुए आकर्षण का केन्द्र बने।

आकर्षण का केन्द्र शौर्य प्रदर्शन

मराठा युवा समाज ने हर साल की तरह उत्साह के साथ शाम 4 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली। युवा समाज के अध्यक्ष लोकेश पवार की अगुवाई में किए आयोजन में छत्रपति शिवाजी के जीवन प्रसंगों से जुड़ी झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। इस बीच तलवार और लाठी चालन करते हुए शौर्य प्रदर्शन के लिए युवाओं और महिलाओं ने ग्रुप बनाया था। इसके माध्यम से आयोजन को सफल बनाने में भागीदारी भी निभाई। बैंडबाजे के साथ बूढ़ापारा से निकाली गई शोभायात्रा का समापन देर-शाम कालीबाड़ी के रविन्द्र मंच में किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक श्रृंखला सजाई गई।

गीत-संगीत के बीच व्याख्यान

समाज के हर वर्ग ने रविन्द्र मंच पर सांस्कृतिक छटा बिखेरने का प्रयास किया। इस बीच छत्रपति शिवाजी के जीवन प्रसंग से भावी पीढ़ी को सजग करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में दीपक हटवार ने कहा कि वीर शिवाजी ने मानव जीवन के लिए उच्च आदर्श स्थापित किए हैं। उसे जानें, समझें और जीवन में उतारें। इसके बाद मराठी गीत-संगीत से सजे सांस्कृतिक कड़ी में युवाओं ने पारंपरिक नृत्य और गीत-संगीत भी पेश किया। इसमें समाज के लोगों ने भी भागीदारी निभाई।

ये भी जानें

वेट लॉस और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का आपस में है संबंध, जानिए जरूर

आज के समय में अधिकतर लोग अपने बढ़ते वजन के कारण परेशान हैं और इसलिए उसे कम करने के लिए अपनी डाइट और वर्कआउट रूटीन पर फोकस करते हैं। अमूमन वर्कआउट को लेकर हर किसी के मन में एक मिथ हमेशा ही होता है। लोगों को लगता है कि वेट लॉस करने के लिए कार्डियो करना ही सबसे अच्छा तरीका होता है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं होता है। कार्डियो के साथ-साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी वेट लॉस में उतनी ही मददगार है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग वास्तव में फैट को बर्न करने और उसे लंबे समय तक बनाए रखने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान जब वज़न को उठाया जाता है, तो यह सिर्फ़ आपको मज़बूत नहीं बनाता है, बल्कि यह आपके मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट अप करता है। इतना ही नहीं, इससे आपको वर्कआउट के बाद भी कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है। फिटनेस एक्सपर्ट और योगविशेषज्ञ जितेन्द्र कौशिक आपको बता रहे हैं कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की मदद से वजन किस तरह कम हो सकता है-

वर्कआउट के बाद भी होती है कैलोरी बर्न

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब आप स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं तो इससे वर्कआउट के बाद भी कैलोरी बर्न होती है। जब आप कार्डियो करते हैं तो केवल उसी समय कैलेरी बर्न होती है। लेकिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का आफ्टरबर्न इफ़ेक्ट वेट लॉस को और भी ज्यादा इफेक्टिव बनाता है। इसका मतलब है कि आपका शरीर घंटों तक कैलोरी बर्न करता रहता है। भले ही आप सोफे पर आराम कर रहे हैं, तब भी कैलोरी बर्न होती है।

मसल्स लॉस से होता है बचाव

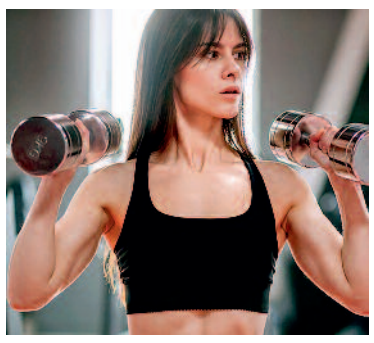

अक्सर लोग वेट लॉस करने के लिए भूखा रहना पसंद करते हैं या फिर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के बिना वज कम करना चाहते हैं। इससे वजन तो कम हो जाता है, लेकिन वास्तव में आपका मसल लॉस होता है, जो आपके शरीर के लिए अच्छा नहीं है। मसल्स लॉस होने का मतलब है कि मेटाबॉलिज्म भी स्लो हो जाता है। लेकिन जब आप स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं तो आप वास्तव में फैट लॉस करते हैं और इससे आपकी मसल्स की स्ट्रेंथ बनी रहती है।

शरीर होता है टोन

अमूमन हम सभी वेट लॉस करना चाहते हैं, लेकिन इस दौरान अगर शरीर पतला-दुबला या बीमार नजर आने लगे तो कैसा महसूस होगा। यकीनन हम में से ऐसा कोई भी नहीं चाहता है। इसलिए कार्डियो के साथ-साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने की सलाह दी जाती है। दरअसल, कार्डियो केवल आपको वजन कम करने में मदद कर सकता है, लेकिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से ना केवल आपका वजन कम होता है, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक टोन्ड नजर आने लगता है। इसलिए, अपनी बॉडी को अधिक डिफाइन लुक देने के लिए आप कार्डियो के साथ-साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी जरूर करें।

लंबे समय तक वजन कम रहता है

अधिकतर लोगों की यह शिकायत होती है कि उनका वजन कम तो हो जाता है, लेकिन कुछ ही समय में वजन फिर से बढ़ जाता है। अगर आप सिर्फ कार्डियो और डाइट पर निर्भर है तो इससे मसल्स कमजोर हो जाती है और मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, जिससे दोबारा वजन बढ़ सकता है। लेकिन जब आप स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं तो ऐसा करने की संभावना काफी कम हो जाती है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से मसल्स बिल्डअप होती है और साथ ही साथ मेटाबॉलिज्म भी इंप्रूव होता है। जिसकी वजह से दोबारा जल्दी से वजन बढ़ने की संभावना काफी कम हो जाती है।

मानसिक स्वास्थ्य के मामले लगातार बढ़ रहे देश में

स्ट्रेस को कम करना है तो शुरू करें जरूरी काम, फिर से लाइफ हो जाएगी बिंदास

आज के समय में मेंटल हेल्थ के मामले में लगातार बढ़ रहे हैं। इतनी आबादी होने के बावजूद बहुत से लोग अकेलापन महसूस करते हैं, जो मेंटल हेल्थ पर नेगेटिव असर डालने का काम कर रही है। काम का अत्यधिक दबाव, व्यक्तिगत समस्याएं, और सामाजिक अपेक्षाएं मेंटल हेल्थ का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। सुबह की भागदौड़ से लेकर ऑफिस के दबाव तक खुशी के पल पाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। हालांकि, इससे निकलना बेहद जरूरी है क्योंकि लंबे समय तक तनाव मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। जिससे डायबिटीज ब्लड प्रेशर और हार्ट की बीमारी जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

मेंटल हेल्थ के लक्षणों को पहचानना जरूरी

मेंटल हेल्थ के लक्षणों को पहचानना भी जरूरी है। लगातार उदासी या निराशा, चिंता या भय का अत्यधिक अनुभव और गुस्सा या चिड़चिड़ापन होना इसके लक्षण हैं। इसके अलावा नींद में समस्या, भूख कम या ज्यादा लगना, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी और निर्णय लेने में होने वाली कठिनाई भी इसके कारण हो सकते हैं।

ध्यान और योग तनाव के खिलाफ लड़ती है लड़ाई

यूके मेंटल हेल्थ फाउंडेशन हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर तनाव के हानिकारक प्रभावों से बचने के लिए कुछ उपाय बताए हैं। ध्यान और योग तनाव के खिलाफ लड़ाई करते हैं, जो मानसिक शांति के लिए बेहद जरूरी हैं। नियमित ध्यान सत्र मन को शांत करने में मदद करते हैं, जबकि योग शारीरिक लचीलापन और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है।

ऐसे कर सकते हैं स्ट्रेस को कम

इसके अलावा दौड़ने, तैरने या साइकिल चलाने जैसे दैनिक व्यायाम करने से एंडोर्फिन निकलता है, जो शरीर के प्राकृतिक मूड को बढ़ाता है। सकारात्मक मानसिक स्थिति को बढ़ावा देता है और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करता है। प्रकृति का हमारे स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव है, इसे कम करके नहीं आंका जा सकता। हरे-भरे पार्कों या सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के बीच बाहर समय बिताना तनाव को काफी हद तक कम कर सकता है।

इन चीजों पर ध्यान देना जरूरी

प्रकृति के साथ यह संबंध मन और शरीर दोनों को तरोताजा करता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इसी तरह हम जो खाना खाते हैं, वह तनाव को रोकने करने में अहम भूमिका निभाता है। फलों, सब्जियों और साबुत अनाज से भरपूर आहार तनाव को कम करने में मदद कर सकता है, क्योंकि स्वस्थ खाने की आदतें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से काम करने में मदद करती हैं। नींद पूरी नहीं करना तनाव और चिंता को बढ़ा सकती है, इसलिए हर रात 7-8 घंटे की आरामदायक नींद की ज़रूरत होती है।

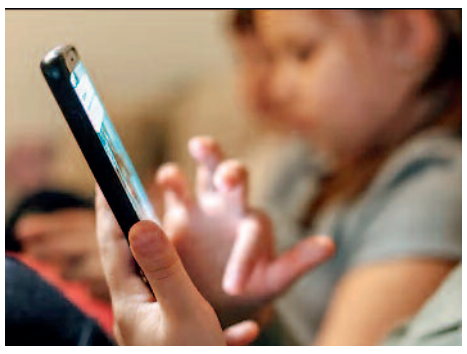

लग गई है रील देखने की लत, बेहतर हैं जल्द छोड़ दें खतरनाक आदत

बहुत अधिक रील देखने की आदत सेहत के लिए कई तरह से नुकसानदायक हो सकती है। यह आपके किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, मेंटल हेल्थ को तो प्रभावित करती ही है साथ ही लंबे समय तक रील देखते रहने से शारीरिक सक्रियता कम होती है।

क्या आपके भी दिन का ज्यादातर समय रील्स को स्क्रॉल करते हुए बीतता है? ये आदत आपको कुछ समय के लिए आनंद की अनुभूति जरूर करा सकती है पर क्या आप जानते हैं कि रील्स देखने और दिनभर मोबाइल से चिपके रहने की आदत आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है? विशेषतौर पर बच्चों में बढ़ती इस आदत को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ काफी चिंता जता रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बहुत अधिक रील देखने की आदत सेहत के लिए कई तरह से नुकसानदायक हो सकती है। यह आपके किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, मेंटल हेल्थ को तो प्रभावित करती ही है साथ ही लंबे समय तक रील देखते रहने से शारीरिक सक्रियता कम होती है।

यानि की बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में तेजी से बढ़ती ये आदत दीर्घकालिक रूप से सेहत को गंभीर क्षति पहुंचाने वाली हो सकती है।

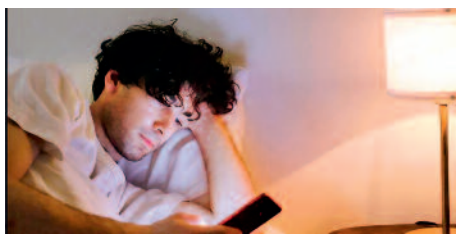

रील्स की आदत कितनी नुकसानदायक : स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, रील्स देखने की आदत कई प्रकार से सेहत को नुकसान पहुंचाती है। रील में कंटेंट का तेजी से आना और तेजी से चले आना, लंबे समय तक किसी काम पर ध्यान केंद्रित करने की आपकी क्षमता को काफी प्रभावित करने वाली हो सकती है। इसके अलावा कई अध्ययनों में रील्स देखने की आदत को डोपामाइन रिलीज को ट्रिगर करने वाला बताया गया है जिससे आप कम खुश रह पाते हैं।

'ओपन अवेयरनेस' अभ्यास से मिलता है आराम : हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के विशेषज्ञों की टीम ने कहा, अगर आप भी अक्सर रील्स देखते रहने वाले लोगों में से हैं तो संभव है कि आपको इसके दुष्प्रभाव को अनुभव होने लगा हो। हालांकि इसके खतरे को कम करने के लिए मेडिटेशन-योग जैसे कुछ उपायों को दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है जो आपकी मनोदशा और नींद में सुधार करने के साथ रील्स की आदत के कारण होने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को कम कर सकते हैं।

कैसे करें ये मेडिटेशन

आंखें बंद कर लें और गहरी सांस लें और सांस छोड़ते वक्त स्ट्रेस को रिलीज करें। इससे ऑक्सीजन का स्तर बढ़ेगा व नर्वस सिस्टम शांत रहेगा।

अब अपनी सांस पर ध्यान दें। अगर मन भटके, तो धीरे से सांस पर वापस ध्यान लगाएं। 10 मिनट तक सांस पर ध्यान देने वाले इस अभ्यास की मदद से 40% तक स्ट्रेस कम कर सकते हैं।

अभ्यास के तीसरे चरण में शरीर के हर हिस्से का एहसास करें, जैसे सांस हर हिस्से में फैल रही हो। आसपास वातावरण को महसूस करें, फिर आंखें खोल लें।

ये आसान सी आदत रील्स देखने के कारण होने वाली समस्याओं का कम करने मेंटल हेल्थ को ठीक बनाए रखने में काफी मददगार हो सकती है।

घर में रखी इन चीजों को कभी न छोड़ें खाली, बन सकती हैं वास्तु दोष का कारण

हमारे घरों की सकारात्मक ऊर्जा और वित्तीय खुशहाली को भला कौन नहीं बढ़ाना चाहता है। ऐसा कहा जाता है कि नकारात्मक ऊर्जा घर में मौजूद विशिष्ट वस्तुओं से जुड़ी होती है, जो परिवार पर कई तरह के बुरे प्रभाव डालती है। यदि आप वास्तु के सही नियमों का पालन करते हैं तो आपके जीवन की सभी नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर करने में मदद मिलती है।

किचन में रखे कंटेनर : आपके घर की किचन में रखे खाली कंटेनर और जार केवल सामान्य वस्तुएं नहीं हैं, उन्हें ऐसे बर्तनों के रूप में देखा जाता है जो घर के भीतर प्रचुरता और सकारात्मक ऊर्जा की क्षमता रखते हैं। यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि एक खाली कंटेनर या जार ऊर्जा के संदर्भ में खालीपन का प्रतीक हैं।

इस शून्यता को प्रचुरता की कमी या समृद्धि की संभावना के रूप में भी देखा जा सकता है। जिस तरह एक कंटेनर का मतलब वस्तुओं से भरा होता है, ऐसा माना जाता है कि एक खाली कंटेनर घर के भीतर आने वाली सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बाधित करता है। मुख्य रूप से आपको कभी भी अनाज के कंटेनर खाली नहीं रखने चाहिए। इनसे आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

बटुआ या पर्स : ऐसा यह माना जाता है कि एक खाली बटुआ या पर्स वित्तीय अस्थिरता का प्रतीक हो सकता है और धन के प्रवाह को रोक सकता है या कम कर सकता है।

आपका बटुआ या पर्स एक ऐसा सामान माना जाता है जो हमारे वित्तीय संसाधनों को सुचारु बनाए रखता है। जब यह खाली होता है, तो यह वित्तीय प्रचुरता की कमी को दिखाता है। यह संभावित रूप से घर की ऊर्जा में बेचैनी या असंतुलन की भावना पैदा कर सकता है। हालांकि, ऐसा माना जाता है कि बटुआ या पर्स को भरकर रखने से हमें आर्थिक समृद्धि को आकर्षित करने में मदद मिलती है। आपको हमेशा अपने पर्स में कुछ नकदी अवश्य रखनी चाहिए, जिससे धन का आगमन बना रहे।

खाली फूलदान : खाली फूलदान अधूरे रिश्तों या घर में खालीपन का संकेत दे सकते हैं। वास्तु शास्त्र की मानें तो फूलदान जैसी साधारण वस्तुओं का स्थान भी प्रतीकात्मक महत्व रखता है।

घर पर मेयोनेज बनाना है आसान, इन स्टेप्स से तैयार करें अलग-अलग रेसिपीज

मेयोनेज एक क्रीमी और स्वादिष्ट स्प्रेड होता है, जिसका इस्तेमाल सैंडविच, बर्गर, सलाद और कई अन्य व्यंजनों में किया जाता है। इसका स्मूद और रिच टेक्सचर खाने का स्वाद बढ़ा देता है। बाजार में मिलने वाले मेयोनेज में प्रिजर्वेटिव्स, एक्स्ट्रा फैट और आर्टिफिशियल फ्लेवर्स हो सकते हैं। यह आपकी सेहत पर असर डाल सकते हैं। आप इसे घर पर आसानी से बना सकते हैं।

क्लासिक एग मेयोनेज रेसिपी

एक बाउल में अंडे की जर्दी लें और उसमें नमक, चीनी और सरसों का पेस्ट मिलाएं। मिक्सर या हैंड ब्लेंडर की मदद से इसे फेंटना शुरू करें। अब धीरे-धीरे तेल डालें और लगातार फेंटते रहें, जिससे मेयोनेज गाढ़ा होता जाएगा। जब टेक्सचर क्रीमी और स्मूद हो जाए, तो इसमें नींबू का रस डालें और एक बार फिर अच्छे से फेंट लें। आपका क्लासिक एग मेयोनेज तैयार है। इसे फ्रिज में स्टोर करें और 1 हफ्ते तक इस्तेमाल करें। इसे भी पढ़ें: क्या आप जानते हैं आपके घर में आने वाली मेयोनीज किस चीज़ से बनती है

एगलेस मेयोनेज रेसिपी

एक ब्लेंडर में दूध डालें और उसे मीडियम स्पीड पर फेंटें।अब धीरे-धीरे तेल डालें और ब्लेंडर को लगातार चलाते रहें।जब मिश्रण गाढ़ा होने लगे, तो उसमें नींबू का रस, सरसों पाउडर, नमक और चीनी डालें। इसे दोबारा ब्लेंड करें, जब तक कि टेक्सचर क्रीमी न हो जाए।आपका एगलेस मेयोनेज तैयार है, इसे फ्रिज में रखें और 5-7 दिनों के अंदर इस्तेमाल करें।

आपकी सख्ती का बच्चों पर बुरा असर तो नहीं हो रहा, परवरिश में जरूर रखें कुछ बातों का ध्यान

जरूरत से ज्यादा सख्ती बच्चों की मासूमियत और सहजता को कम कर सकती है। उनकी क्यूटनेस उनके स्वाभाविक व्यवहार में होती है, लेकिन जब उन पर अनावश्यक पाबंदियां लगाई जाती हैं, तो वे डरने लगते हैं, झिझकने लगते हैं और अपनी चंचलता खो सकते हैं। अनुशासन आवश्यक है, लेकिन इसे प्यार और समझदारी के साथ अपनाना चाहिए। सही मार्गदर्शन मिलने से बच्चे न केवल अनुशासित बनते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी मजबूत बना रहता है।

सख्ती के बजाय बातचीत करें

बच्चों को डांटने या आदेश देने के बजाय उनसे खुलकर बातचीत करें। उन्हें यह समझाने की कोशिश करें कि कौन-सा व्यवहार सही है और क्यों।

नियमों को कठोर नहीं, आसान बनाएं

अनावश्यक सख्त नियम बनाने के बजाय, बच्चों को यह बताएं कि नियम उनके भले के लिए हैं। नियम तार्किक और व्यवहारिक होने चाहिए, ताकि बच्चे उन्हें आसानी से समझ सकें।

उनकी भावनाओं को समझें

अगर बच्चा किसी बात से नाराज या उदास होता है, तो उसे नजरअंदाज करने के बजाय उसकी भावनाओं को समझने का प्रयास करें। ऐसा करने से बच्चे को सुरक्षा और अपनापन महसूस होता है।

सकारात्मक अनुशासन अपनाएं

डांटने या दंड देने की बजाय, अच्छे व्यवहार को प्रोत्साहित करें। जब बच्चा कुछ अच्छा करे, तो उसकी सराहना करें ताकि वह अच्छा करने के लिए प्रेरित हो।

धैर्य और प्यार से पेश आएं

बच्चे गलतियाँ करेंगे, लेकिन उन्हें सख्ती से सुधारने के बजाय धैर्यपूर्वक सही राह दिखाएं। प्यार से समझाने पर वे ज्यादा जल्दी और प्रभावी तरीके से सीखते हैं।

आदेश देने की बजाय विकल्प दें

बच्चों को सीधा आदेश देने के बजाय उन्हें विकल्प दें, ताकि वे खुद निर्णय लेना सीखें। जैसे, अभी होमवर्क करना चाहते हो या 10 मिनट बाद? इससे वे अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभाना सीखेंगे।

खुद आदर्श बनें

बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने माता-पिता को करते देखते हैं। यदि आप धैर्य, सम्मान और समझदारी दिखाएंगे, तो वे भी वैसा ही व्यवहार अपनाएंगे।

आत्मविश्वास बढ़ाने पर ध्यान दें

बच्चों को अपनी बात कहने और खुद निर्णय लेने का अवसर दें। इससे वे आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनेंगे, जो उनके व्यक्तित्व के लिए बेहद जरूरी है।

जरूरत हो तभी 'ना' कहें

हर छोटी बात पर 'ना' कहने से बच्चे जिद्दी बन सकते हैं। इसलिए जहां जरूरी हो, वहीं मना करें और बाकी बातों में लचीलापन अपनाएं।

अगर बच्चा गलती करता है, तो उसे सजा देने के बजाय उसकी गलती को सुधारने में मदद करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

हॉलीवुड में कई यादगार भूमिकाएं निभाने वाली मैरी स्टीवर्ट नहीं रहीं

हॉलीवुड अभिनेत्री लिन मैरी स्टीवर्ट का 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से मनोरंजन जगत में शोक की लहर दौड़ पड़ी कई सितारों ने उनके निधन पर श्रद्धांजलि दी। लिन मैरी स्टीवर्ट पी-वी के प्लेहाउस में मिस यवोन की

और 'इट्स ऑलवेज सनी इन फिलाडेल्फिया' में भूमिका के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री के निधन पर कई फिल्मी सितारों और मशहूर हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है। 'एलवीरा' स्टार कैसंड्रा पीटरसन उन कई लोगों में से एक थीं, जिन्होंने अभिनेत्री को इंस्टाग्राम पर श्रद्धांजलि दी उन्होंने लिखा, ₹मेरी प्यारी दोस्त लिन स्टीवर्ट के निधन की खबर सुनकर मेरा दिल टूट गया है,₹ पीटरसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा। ₹अब तक की सबसे दयालु, प्यारी और सबसे मजेदार महिलाओं में से एक पी-वी के प्लेहाउस की मिस यवोन, वह हमेशा 'पपेटलैंड की सबसे खूबसूरत महिला' रहेंगी। अभिनेत्री स्टीवर्ट पी-वी फ्रैंचाइज में मिस यवोन के किरदार के माध्यम से सबकी चहेती बन गईं। इसमें 'द पी-वी हरमन शो' (1981), 'पी-वी बिग एडवेंचर' (1985), 'पी-वी प्लेहाउस' (1986-'90) 'बिग टॉप पी-वी' (1988), 'क्रिसमस एट पी-वी प्लेहाउस' (1988) और 'पी-वी बिग हॉलिडे' (2016) की उनकी भूमिकाएं शामिल थीं। लिन मैरी स्टीवर्ट का जन्म 14 दिसंबर, 1946 को लॉस एंजिल्स में हुआ था।

टॉलीवुड

'संक्रांतिकी वस्थुन्नम' के रीमेक में नए चेहरे को लेकर अटकलें तेज

तेलुगु सिनेमा की सुपरहिट फिल्म 'संक्रांतिकी वस्तुन्नम' ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर धमाल मचाया था। इस फिल्म की कहानी और अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। अब यह फिल्म जल्द ही जी 5 पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। फिल्म की सफलता के बाद अब यह खबरें आ रही हैं कि 'संक्रांतिकी वस्तुन्नम' को हिंदी में रीमेक किया जा सकता है। फिल्म निर्माता दिल राजू इस प्रोजेक्ट को लेकर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि जल्द ही वह इसे हिंदी में बना सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की रीमेक में अक्षय कुमार वेंकटेश के रोल में नजर आ सकते हैं। अगर रिपोर्ट्स के दावे सही साबित होते हैं तो यह एक और रीमेक होगी, जिसमें अक्षय कुमार नजर आएंगे। इससे पहले भी वह साउथ की कई फिल्मी के रीमेक में नजर चुके हैं। इसनें 'सरफिरा', 'राउडी राठौर' और 'हॉलीडे' जैसी फिल्में शामिल हैं। अक्षय अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता और शानदार कॉमेडी टाइमिंग के लिए मशहूर हैं। ऐसे में अगर वह इस फिल्म में नजर आते हैं तो फैंस के लिए यह किसी बड़े तोहफे से कम नहीं होगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय को हाल ही में फिल्म 'स्काई फोर्स' में देखा गया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ी क्लब में शामिल होने में कामयाबी हासिल की थी।

भोजपुरी

निर्देशक ने रानी को दिया 'बेस्ट चुगलखोर' का तमगा, अभिनेत्री बोलीं- 'वाह! क्या तारीफ है'

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अदाकारा रानी चटर्जी यूं तो अपनी आगामी फिल्म 'प्रिया ब्यूटी पार्लर' को लेकर चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर भी हाल ही में रिलीज हुआ। इस फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका नाम है, 'चुगलखोर बहुरिया'। इसकी शूटिंग शुरू कर दी गई है। निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी ने मुहूर्त की फुटेज शेयर की हैं। इश्यिताक शेख बंटी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे रानी चटर्जी की प्रतिभा की तारीफ करते दिखे हैं। मगर, तारीफ का लहजा कुछ मजाकिया है। उन्होंने सेट से झलकियां शेयर की हैं, जिनमें वे और रानी बात करते दिख रहे हैं। निर्देशक ने साथ में लिखा है, 'सबसे खूबसूरत, बेहद प्रतिभाशाली और हमारी इंडस्ट्री रानी 'चुगलखोर बहुरिया' के सेट पर। इस वीडियो में मैम मुझे चुगली कैसे करते हैं, वो सिखा रही हैं, ताकि मैं मोस्ट चुगलखोर बन सकूं'। इश्तियाक के पोस्ट पर रानी चटर्जी ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा है, 'वाह क्या तारीफ है और 'चुगलखोर बहुरिया' के लिए आप बेस्ट चॉइस हैं। आप से बेहतर कोई मुझसे चुगली नहीं करवा सकता था'। वीडियो में देखा जा सकता है कि सेट पर पूजा-पाठ के साथ शूटिंग शुरू की गई है। रानी चटर्जी पूजा करती नजर आई हैं। रानी चटर्जी की फिल्म 'प्रिया ब्यूटी पार्लर' की बात करें तो इसमें वे ब्यूटीशियन के किरदार में नजर आएंगी। वे एक ऐसी महिला के किरदार में हैं, जिसे मेकअप का शौक है। वह अपनी ननद और पूरे गांव की महिलाओं का मेकअप करती है। एक पार्लर खोलकर वे इसे अपना रोजगार बनाना चाहती है, मगर उसकी सास इसके सख्त खिलाफ है। हालांकि, हालात कुछ ऐसी करवट लेते हैं कि वह ब्यूटी पार्लर खोल पाती है।

लाइफ स्टाइल

बुरी आत्मा से बचाने का फैशन

बल्गेरियाई संस्कृति में यहां की पारम्परिक पोशाक खास मायने रखती है। उत्सवों के दौरान पहने जाने वाले कपड़े बल्गारियाई लोगों के लिए अपने पूर्वजों और उनके द्वारा छोड़ी गई विरासतों का सम्मान करने का एक तरीका है। इनमें लाल रंग जीवन और उर्वरता और रक्त और आग का प्रतीक है। माना जाता है कि लाल पोशाक पहनने वाले को बुरी आत्माओं और काले जादू से बचाती थी। यही कारण है कि बुल्गारिया के कुछ क्षेत्रों में दुल्हनें लाल घूंघट पहनती हैं।

महंगा ड्राई शैंपू खरीदने के बजाय इनका किया जा सकता है इस्तेमाल

बालों को फ्रेश और क्लीन बनाने के लिए अक्सर हम सभी शैम्पू से वॉश करना पसंद करते हैं। मार्केट में मिलने वाले ड्राई शैम्पू में कई तरह के केमिकल्स पाए जाते हैं, जो अक्सर बालों को लंबे समय में नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए बेबी पाउडर से लेकर कॉर्नस्टार्च तक, ऐसी कई चीजें हैं तो ड्राई शैम्पू का एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं। इनके बारे में आपको जानना जरूरी है।

बेबी पाउडर : बालों से अतिरिक्त ऑयल अब्जॉर्ब करने के लिए आप ड्राई शैम्पू की जगह बेबी पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस आप इन्हें रूट्स पर थोड़ा सा छिड़कें। इसे समान रूप से फैलाने के लिए अपनी उंगलियों या मेकअप ब्रश का उपयोग करें। इसे एक मिनट तक लगा रहने दें, फिर इसे अच्छी तरह से ब्रश करें। यह काले बालों पर सफ़ेद रंग छोड़ सकता है। ऐसे में अगर आपके बाल काले हैं, तो सफ़ेद रंग से बचने के लिए इसे थोड़े से कोको पाउडर के साथ मिलाएं।

कॉर्नस्टार्च : कॉर्नस्टार्च को भी ड्राई शैम्पू की जगह इस्तेमाल करना अच्छा विचार हो सकता है। इसे हर तरह के बालों पर आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है।

बस इसे अपनी स्कैल्प पर थोड़ी मात्रा छिड़कें। तेल को सोखने के लिए इसे धीरे से मसाज करें। आखिरी में ब्रश करके बालों को क्लीन करें। चूंकि, यह बहुत महीन है और बालों में अच्छी तरह से मिल जाता है। आप स्कैल्प को अतिरिक्त लाभ पहुंचाने के लिए लैवेंडर या टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं।

ब्लोटिंग पेपर या टिश्यू पेपर : अगर आपके पास पाउडर नहीं है या फिर स्कैल्प में हल्का ऑयल है और आप उसे आखिरी में टच अप देना चाहती हैं तो ऐसे में ब्लोटिंग पेपर या टिश्यू पेपर का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए आप स्कैल्प पर ब्लोटिंग शीट या टिश्यू पेपर रखें और दबाएं। इसे तब तक दोहराएं, जब तक कि बाल दोबारा फ्रेश ना दिखने लगे।

अरारोट पाउडर

अरारोट पाउडर कॉर्नस्टार्च की तुलना में अधिक बेहतर ऑप्शन है, क्योंकि यह उससे अधिक महीन होता है। खासतौर से, अगर आपकी सेंसेटिव स्कैल्प है तो ऐसे में आप अरारोट पाउडर का इस्तेमाल करने का मन बना सकते हैं। बस आप इसे रूट्स पर थोड़ी मात्रा में लगाएं। धीरे से मसाज करें और इसे कुछ मिनट तक लगा रहने दें। अतिरिक्त पाउडर को ब्रश से हटा दें। अगर आपके बाल काले हैं, तो बेहतर मिश्रण के लिए कोको पाउडर या दालचीनी के साथ मिलाएं।

आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देंगे फ्लोर लेंथ सूट, हर कोई होगा फिदा

फैशन

इंडियन लुक में साड़ी और सूट का फैशन कभी नहीं आउट होता है। बस इनके कलर और डिजाइन्स में बदलाव होता रहता है। ऐसे में हम अपने लुक को अपडेट करने के लिए फैशन ट्रेंड को फॉलो करते रहते हैं। वेडिंग के अलावा बाहर से ऐसे फंक्शन होते हैं। जहां हम इंडियन लुक को स्टाइल करना प्रेफर करते हैं। एथनिक लुक कैरी करने के बाद आपका लुक एकदम ट्रेडिशनल नजर आता है। ऐसे में अधिकतर लोग छोटे फंक्शन और फेस्टिवल के मौके पर सूट या साड़ी ही कैरी करते हैं।

यदि आपको भी इंडियन लुक पसंद आता है तो आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ फ्लोर लेंथ अनारकली सूट दिखाने जा रहे हैं। आजकल ऐसे सूट काफी ट्रेंड में भी चल रहे हैं। ऐसे सूट पारंपरिक और मॉडर्न टच का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हैं। जिनको पहनकर आपका रॉयल अंदाज देख हर कोई दीवाना हो जाएगा। यदि आपकी हाइट अच्छी है तो ऐसे में यह आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन है। आइए देखें इन सूट के डिफरेंट डिजाइन्स और कलर।

कंट्रास्ट कलर फ्लोर लेंथ सूट : श्रेया घोषाल ने लीफ ग्रीन कलर के सूट संग ब्लू कलर का पोल्का डॉट दुपट्टा पेयर अप किया है। ऐसे में ब्लू और ग्रीन कॉम्बिनेशन काफी ग्रेसफुल लुक दे रहा है। सूट के यॉक पर थ्रेड वर्क लुक को हैवी बना रहा है। फुल स्लीव्स का यह फ्लोर लेंथ सूट आपको हर फंक्शन में क्लासी लुक देगा। इसके साथ आप भी लो बन बनाकर साइड फ्लावर टक कर सकती हैं। साथ में फ्रंट फ्लिक्स बेस्ट रहेगी। मेकअप को आप मिनिमल लुक में रख सकती हैं। ऐसे सूट आपको ऑनलाइन आसानी से 1000 से 1500 तक की कीमत में मिल जाएंगे।

जॉर्जेट रेड सूट : यदि आपकी नई शादी हुई है तो आप इस तरह का जॉर्जेट प्लेन रेड फ्लोर लेंथ सूट ट्राई कर सकती हैं। इस सूट के बॉर्डर पर गोल्डन कलर के सिक्कों वाली लेस लगी हुई है। दुपट्टे को पिंक और रेड डबल शेड के साथ ऑर्गेंजा फैब्रिक में रखा गया है। ऐसे सूट डे और नाइट दोनों तरह के फंक्शन के लिए बेस्ट रहते हैं। इसके साथ आप कोई भी चोकर नेकलेस और मैचिंग इयररिंग्स सेट स्टाइल कर सकती हैं। हेयर स्टाइल को आप स्ट्रेट करके फ्रंट ट्विस्ट के साथ ओपन रखें।

गोटा वर्क सूट : यदि आपको कुछ डिफरेंट पहनना है तो उसके लिए गोटा वर्क सूट बेस्ट ऑप्शन है। ऐसे सूट पहनने पर लाइटवेट होते हैं, लेकिन इनका लुक हैवी नजर आता है। तस्वीर में नजर आ रहा बेज कलर सूट काफी खूबसूरत लुक देगा। इसके साथ आप सिल्वर ज्वेलरी से अपना लुक कंप्लीट कर सकती हैं। साथ में हेयर स्टाइल को कर्ल करके ओपन या हाफ टक कर सकती हैं।

वीगन मेकअप करना है पसंद तो खुद घर पर ही बनाएं लिपस्टिक

अगर आप अपनी खूबसूरती का ख्याल कुछ इस तरह रखना चाहती हैं कि उससे जानवरों को भी किसी तरह का नुकसान हो तो ऐसे में आप वीगन लिपस्टिक बनाने पर विचार करें। वीगन लिपस्टिक बनाना ना केवल काफी आसान है, बल्कि इसमें कई तरह के पोषक तत्व भी होते हैं, जो आपके होंठों को काफी लाभ पहुंचाते हैं। आरवीएमयूए एकेडमी की फाउंडर, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर एक्सपर्ट रिया वशिष्ट घर पर ही वीगन लिपस्टिक बनाने के आसान तरीकें सुझा रही हैं।

नारियल तेल और चुकंदर की मदद से बनाएं लिपस्टिक : अगर आप नेचुरल पिंक-रेड शेड लिपस्टिक बनाना चाहती हैं तो ऐसे में नारियल तेल और चुकंदर का इस्तेमाल करें। यह एक टिंटेड लिप बाम जैसी लिपस्टिक है, जिसे आप हर दिन भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

वीगन लिपस्टिक कैसे बनाएं-लिपस्टिक बनाने के लिए नारियल तेल और कैंडेलिला वैक्स को डबल बॉयलर में पिघलाएं। अब इसमें चुकंदर पाउडर या उसका रस डालकर अच्छी तरह मिलाएं।इसे आंच से उतारें और एक खाली लिप बाम कंटेनर में डालकर ठंडा होने दें।आपकी वीगन लिपस्टिक बनकर तैयार है।अब आप इसे हर दिन इस्तेमाल कर सकती हैं।

शिया बटर और हिबिस्कस की मदद से बनाएं लिपस्टिक

अगर आप अपने लिप्स को एक सॉफ्ट मैट फ्रॉनिश लुक देना चाहती हैं तो ऐसे में शिया बटर और हिबिस्कस की मदद से लिपस्टिक बनाएं। यह एक लॉन्ग लास्टिंग लिपस्टिक है, जो आपको होंठों को लंबे समय तक खूबसूरत दिखाती है।

वीगन लिपस्टिक कैसे बनाएं- शिया बटर और कैंडेलिला वैक्स को डबल बॉयलर में पिघलाएं। कैस्टर ऑयल डालकर अच्छी तरह मिलाएं।हिबिस्कस पाउडर डालें और पूरी तरह से मिश्रित होने तक फेंटें।

पहली बार बालों को कलर कराने में हिचक छोड़ें, अपनाएं सावधानी

कई महिलाओं में कम उम्र में सफेद बालों की समस्या भी सामने आती है। अगर आप पहली बार अपने बालों को कलर करने जा रहे हैं, तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सही प्रक्रिया और सही देखभाल से आपके बाल खूबसूरत दिखेंगे और रंग लंबे समय तक टिका रहेगा।

सही शेड चुनें : अपनी स्किन टोन के अनुसार हेयर कलर चुनें। पहली बार कलर करने पर नेचुरल शेड्स (ब्राउन, चेस्टनट, हल्का महोगनी) को प्राथमिकता दें। बहुत ज्यादा ब्राइट या डार्क शेड्स से बचें, ताकि लुक नेचुरल लगे।

अमोनिया-फ्री हेयर कलर चुनें : अमोनिया युक्त हेयर कलर बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। अमोनिया-फ्री और हर्बल हेयर

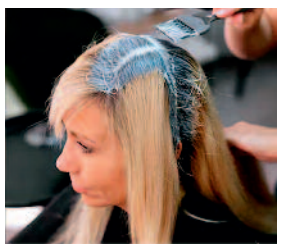

कलर का चुनाव बेहतर रहेगा, जिससे बालों की सेहत बनी रहे।

पैच टेस्ट जरूर करें : हेयर डाई लगाने से 24 घंटे पहले पैच टेस्ट करें। इससे एलर्जी, खुजली या जलन जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है।

बालों की सेहत का ध्यान रखें : कलर करने से पहले बालों को डीप कंडीशनिंग दें, ताकि वे मजबूत रहें।अगर आपके बाल रूखे या डैमेज्ड हैं, तो पहले उनका ट्रीटमेंट करें।

सही तकनीक अपनाएं : अगर खुद से कलर कर रहे हैं, तो पैकेट पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। ब्रश का उपयोग करें और कलर को समान रूप से अप्लाई करें।जड़ों से सिरों तक धीरे-धीरे कलर लगाएं।

कलर के बाद देखभाल बहुत जरूरी : सल्फेट-फ्री शैम्पू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें।कलर किए हुए बालों को अधिक गर्म पानी से धोने से बचें।धूप में जाने से पहले बालों को स्कार्फ या हैट से कवर करें।

इस बात का रखें ध्यान : पहली बार हेयर कलर करते समय सही शेड, अच्छे प्रोडक्ट्स और सही तकनीक का उपयोग करना बेहद महत्वपूर्ण है। बालों की सेहत को प्राथमिकता दें और पोस्ट-कलर केयर का खास ख्याल रखें, ताकि आपके बाल स्वस्थ और खूबसूरत बने रहें।

कार्नर न्यूज

आसानी से पा सकते हैं यंग और हेल्दी स्किन

नौजवानों के चेहरे पर नजर आ रही हैं झुर्रियां तो परेशान होने के बजाय अपनाएं कुछ जरूरी टिप्स

आजकल बहुत से लोगों में 30 की उम्र में ही चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती है। लेकिन यह केवल बढ़ती उम्र का असर नहीं होता, बल्कि कई अन्य कारण भी होते हैं जो त्वचा को जल्दी बूढ़ा बना सकते हैं। हालांकि, अगर कुछ सरल और प्रभावी उपाय अपनाए जाएं तो आप अपनी त्वचा को यंग और हेल्दी रख सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे तरीकों के बारे में जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को लंबी उम्र तक जवां और चमकदार बना सकते हैं।

सही डाइट का लेना बेहद जरूरी

आपकी त्वचा का स्वास्थ्य सीधे आपकी डाइट से जुड़ा होता है। यदि आप पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेते हैं, तो आपकी त्वचा भी स्वस्थ और जवां रहती है। ताजे फल और सब्जियां को हर दिन अपनी डाइट में शामिल करना जरूरी होता है। ताजे फल और सब्जियां विटामिन सी, ई और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होती हैं, जो त्वचा को नुकसान से बचाती हैं। उदाहरण के लिए, संतरा, अंगूर, पत्तेदार हरी सब्जियां, गाजर आदि।

ऐसे रखें त्वचा को हाइड्रेटेड

मछली, अखरोट, अलसी और चिया सीड्स भी चेहरे के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। ये त्वचा को हाइड्रेटेड रखते हैं और झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। यह त्वचा को तरोताजा बनाए रखता है और समय से पहले झुर्रियां आने से रोकता है। धूप में सीधे संपर्क से आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचता है, जिससे समय से पहले झुर्रियां, डार्क स्पॉट्स और सनबर्न हो सकते हैं।

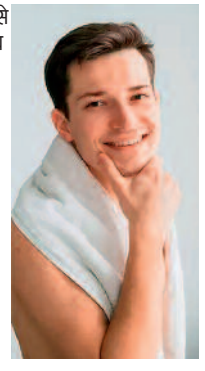

अच्छे मॉइस्चराइज़र का इस्तेमाल करें

अपनी त्वचा को हर दिन अच्छी तरह से साफ करें ताकि गंदगी और तेल हट सके। लेकिन क्लींजर ऐसा हो जो आपकी त्वचा को ड्राई न करे। त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए अच्छे मॉइस्चराइज़र का इस्तेमाल करें। इससे त्वचा की इलास्टिसिटी बनी रहती है और झुर्रियां कम होती हैं। विटामिन सी और रेटिनॉल वाले क्रीम्स और सीरम्स का इस्तेमाल करें।

प्राकृतिक चीजों से भी पहुंचता है फायदा

हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं और दूध त्वचा को मुलायम बनाए रखता है। आप हल्दी और दूध का पेस्ट बना कर अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। एलोवेरा त्वचा को ठंडक और हाइड्रेशन देता है। यह झुर्रियों को भी कम करता है। आप ताजे एलोवेरा जेल को सीधे चेहरे पर लगा सकते हैं।